दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

D Edition

Reg.No.RJ26D00120077

भारत टाइम्स

www.bharattimenews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

Bharattimesnews01@gmail.com

विचार

" गिरना असफलता नहीं है; असफलता तब आती है जब आप वहीं रहते हैं जहां आप गिरे थे "

सुकरात...

पेज 4

वर्ष- 2 | अंक-125 | दिल्ली, सोमवार 17 जून 2024 | पेज-8 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उज्जैन को बड़ी सौगात

600 करोड़ की लागत से बनेगा सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी डैम

उन्होंने करीब 98.66 करोड़ की लागत से बनने वाली कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन किया। इसके अलावा सीएम ने करीब 217 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के ग्राम डेंडिया स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित 817 करोड़ की लागत से कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना और अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने करीब 98.66 करोड़ की लागत से बनने वाली कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन किया। इसके अलावा सीएम ने करीब 217 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज हमारे कई सालों का संकल्प मूर्तरूप लेने जा रहा है। हमने सभी संतों के साथ यह संकल्प लिया था कि शिप्रा नदी के जल को निर्मल और स्वच्छ बनाएंगे और कान्ह नदी का पानी शिप्रा में मिलने से रोकेंगे। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम से अब कान्ह का दूषित जल मां शिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। कान्ह का पानी गंभीर नदी के निचले किनारे तक पहुंचाया जाएगा, जिसे भी शुद्धिकरण किया जाएगा और आसपास के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। 600 करोड़ रुपये की लागत से आने वाले समय में सेवरखेड़ी में बैराज निर्मित कर शिप्रा का पानी लिफ्ट कर सिलारखेड़ी ले जाया जाएगा और वहां से पुनः शिप्रा में छोड़ा जाएगा। इससे शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा। उज्जैन-जावरा मार्ग बनेगा फोरलेन सीएम मोहन ने कहा कि 5 हजार करोड़ की लागत से उज्जैन-जावरा फोरलेन व्हाया नागदा का शीघ्र निर्माण पूरा होगा। वहीं उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन का शीघ्र भूमिपूजन किया जाएगा। विकास का यह क्रम संत समाजजनों के सहयोग से निरंतर जारी रहेगा। विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि 16 जून को पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा का शुभारंभ किया जाएगा, जिसके माध्यम से श्रद्धालु कम समय में महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर जैसे तीर्थ स्थानों पर पहुंच सकेंगे। वहीं उज्जैन से पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के माध्यम से यात्री उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, इंदौर, सिंगरौली, खजुराहो की हवाई सेवा का लाभ भी ले सकेंगे।

816 करोड़ रु. के विकास कार्यों की दी सौगात

मुख्यमंत्री मोहन ने 816 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत के कुल 41 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। जिनमें 598 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का निर्माण, 38 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से दताना से नागझिरी मार्ग का निर्माण, 24 करोड़ 08 लाख रुपए की लागत से तराना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में उन्नयन/निर्माण, 21 करोड़ 07 लाख रुपए की लागत से तरण ताल से देवास रोड वाया कलेक्टोरेट और मंगलनाथ से चककमेड तक मार्ग निर्माण, 14 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से घटिया में नवीन शासकीय आईटीआई का निर्माण, 12 करोड़ 14 लाख रुपए की लागत से उज्जैन में 4 मार्गों का निर्माण, 9 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से सिंहस्थ अंतर्गत रत्नाखेड़ी, मंगरोला, चांदुखेड़ी, जलालखेड़ी, नागदा मार्ग का निर्माण, 9 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से जमालपुरा, कोकलाखेडी, नईखेडी सिलोदामोरी मार्ग का निर्माण, 7 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से चादमुख सिकंदरी गंगेडी ब्रजराज खेडी छायन मार्ग का निर्माण, 4 करोड़ रुपए की लागत से काल भैरव मंदिर पार्किंग बाउंड्रीवाल, शेड, रेलिंग आदि का निर्माण का भूमिपूजन किया गया। इसके अतिरिक्त 22 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किए गए 23 विकास कार्यों का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया। इनमें 8 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत से 18 ग्रामों में नल-जल योजना निर्माण कार्य, 3 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से उज्जैन में प्रशिक्षण केंद्र के छात्रावास भवन निर्माण, 3 करोड़ 25 लाख की लागत से केंद्रीय जेल उज्जैन परिसर में खुली जेल का निर्माण, 99 लाख रुपए की लागत से एमपी पुलिस आवास और अधोसरंचना विकास निगम के विभिन्न कार्यों का निर्माण, 73 लाख रुपए की लागत से आक्याजागीर में हायर सेकेंडरी स्कूल का उन्नयन, 27 लाख रुपए की उज्जैन में पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास भवन का निर्माण शामिल है।

न्यूज. ब्रीफ

48 साल के शख्स के 165 बच्चे

न्यूयार्क। अमेरिका के ब्रुकलिन में रहने वाले 48 साल के एरी नेगल के पूरी दुनिया में 165 बच्चे हैं। नेगल पेशे के मैथ्स के प्रोफेसर हैं, जो स्पर्म डोनेट करने का काम करते हैं। वे अब तक अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका समेत दुनिया के हर कोने में महिलाओं को स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। इस वजह से उन्हें स्पर्मिनेटर का टैग भी दिया गया है। फादर्स डे से 4 दिन पहले 12 जून को नेगल की 165वीं संतान का जन्म हुआ। उन्होंने कहा है कि जब मैं 50 साल का हो जाउंगा तब स्पर्म डोनेट करना बंद कर दूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें डर है कि 50 की उम्र में स्पर्म डोनेट करने से ऑटिज्म जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का खतरा हो सकता है।

यात्री के पास मिले 2.19 करोड़ के हीरे

सूरत। सूरत एयरपोर्ट पर दुबई जा रहे संजयभाई मोराडिया नाम के यात्री से 2.19 करोड़ रुपए के अनपॉलिश्ड हीरे बरामद किए गए। तलाशी के दौरान ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ जवानों ने संजय के दोनों टखनों में कुछ संदिग्ध वस्तुएं देखीं। उसके पास से कच्चे/बिना पॉलिश किए हीरे के तीन पैकेट बरामद हुए, जिन्हें उसने अपने टखने के पास मोजे में छिपा रखा था। बाद में संजय के शरीर के निचले हिस्से से हीरे के दो और पैकेट बरामद हुए, जिसे उसने अंडरगारमेंट में छिपाया था। यात्री से मिले हीरों का वजन 1092 ग्राम है। इनकी कीमत करीब 2.19 करोड़ रु. है।

गंगा नदी में नाव पलटी, 4 लापता

पटना। पटना में गंगा नदी में नाव पलटने से एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए। सभी एनएचआई से रिटायर्ड एक अधिकारी का परिवार था। इनमें से 13 लोगों को बचा लिया गया है। जबकि रिटायर्ड अधिकारी समेत 4 लोग अभी भी लापता हैं। ये सभी नालंदा के रहने वाले हैं। लापता चार लोगों की पहचान नालंदा जिले के मालती गांव निवासी अवधेश कुमार (60), हरदेव प्रसाद (65), नीतीश कुमार (30) और मंजू देवी (45) के रूप में की गई है।

धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को होगी हस्तांतरित

अदाणी समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा

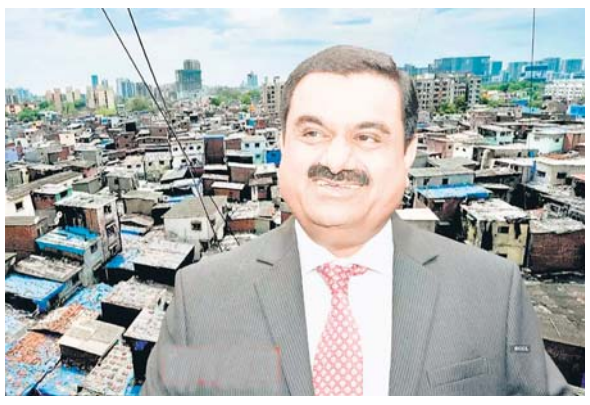

इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास

मुंबई। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं होगा। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाएगा और अदाणी समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अडाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी झुग्गी झोपड़ी पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लि. (डीआरपीपीएल) के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा।

धारावी के लोगों को घर से बेघर करने की बात काल्पनिक

रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं, सूत्रों ने कहा कि इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है। इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक और जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए एक कल्पना करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी (पात्र या अपात्र) को एक घर दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि डीआरपी/एसआरए योजना के तहत किसी भी धारावीवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे।

गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए

गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में शनिवार को हुए विस्फोट में 8 इजराइली सैनिक मारे गए। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक, ये सभी सैनिक नेमर नाम के बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल के अंदर थे। जनवरी में गाजा में एक ब्लास्ट में 21 इजराइली सैनिक मारे गए थे, उसके बाद यह पहला ऐसा हादसा है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने बताया कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। राफा के तल अल-सुल्तान इलाके के उत्तरपश्चिमी हिस्से में हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने निकली इजराइली सेना की एक टुकड़ी करीब 50 आर्तकियों को मारकर लौट रही थी। तभी काफिले का एक वाहन ब्लास्ट की चपेट में आ गया। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि अब तक हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह ब्लास्ट इलाके में प्लांट किए गए विस्फोटकों में हुआ या सेना के काफिले की तरफ एंटी-टैंक मिसाइल फायर की गई थी। ब्लास्ट इतना भीषण था कि मरने वाले सैनिकों में से सिर्फ एक की पहचान हो सकी है।

डीपफेक रोकने के लिए डिजिटल इंडिया बिल लाएगी मोदी सरकार

एआई के बेहतर इस्तेमाल पर फोकस रहेगा, विपक्ष का समर्थन लेने की भी कोशिश होगी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जनरेट किए गए डीपफेक वीडियो और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए मोदी सरकार डिजिटल इंडिया बिल लाने वाली है। इस विधेयक में एआई टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग और तरीकों पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की भी कोशिश करेगी। 26 जून से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में सबसे पहले नए सांसदों का शपथ ग्रहण और राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। इसी सत्र में सरकार पूर्ण बजट भी पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, बजट के अलावा सत्र में डिजिटल इंडिया बिल पर भी लंबी बहस हो सकती है। इस बिल में सोशल मीडिया पर जारी होने वाले वीडियो को रेगुलेट करने का भी प्रावधान हो सकता है। पिछले साल तत्कालीन आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा था कि सरकार फेक वीडियो और सोशल मीडिया के वीडियो को रेगुलेट करने का बिल लाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा था कि इस बिल पर लंबी चर्चा और बहस की जरूरत है।

लोकसभा स्पीकर पद को लेकर राजनीतिक खींचतान

डिप्टी-स्पीकर पद नहीं मिला तो इंडिया स्पीकर का चुनाव लड़ेगा

विपक्ष को यह पद देने की परंपरा, पिछली लोकसभा में डिप्टी स्पीकर नहीं था

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र अगले हफ्ते यानी 24 जून से शुरू होने वाला है। यह सत्र 9 दिन यानी 3 जुलाई तक चलेगा। 26 जून से लोकसभा स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसी खबरें हैं कि भाजपा ओम बिड़ला को दूसरी बार स्पीकर बना सकती है, वहीं चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जदयू स्पीकर पद मांग रही हैं। इधर विपक्षी खेमा इंडिया गुट भी लोकसभा में मजबूत स्थिति में है। ऐसे में उसे उम्मीद है कि डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष के किसी सांसद को मिलेगा। हालांकि सूत्रों ने बताया है कि अगर विपक्ष के सांसद को डिप्टी स्पीकर पद नहीं मिलता है तो विपक्षी खेमा स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारेगा। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परम्परा रही है। 16वीं लोकसभा में एनडीए में शामिल रहे अन्नाद्रमुक के थंबीदुरई को यह पद दिया गया था। जबकि, 17वीं लोकसभा में किसी को भी डिप्टी स्पीकर नहीं बनाया गया था। अहम होता है।

हैकिंग के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज, कहा

ईवीएम किसी ओटीपी से अनलॉक नहीं होती

अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है

मुंबई। मुंबई पुलिस के शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर घमासान मच गया है। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल के नेता आमने-सामने आ गए हैं। अब विपक्षी नेताओं के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देते हुए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और कहा कि ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। रिटर्निंग ऑफिसर वंदना सूर्यवंशी ने मुंबई में ईवीएम पर मचे घमासान पर सफाई देते हुए कहा कि आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगो ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओटीपी नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। इस मामले में पुलिस की जांच के बाद हम इंटरनल जांच करेंगे कि नहीं यह आगे तय किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पेपर के रिपोर्टर को समझाने की कोशिश की थी। आईपीसी की धारा 505 और 499 के तहत उन्हें नोटिस भेजेंगे। गौरव को जो मोबाइल रखने की इजाजत दी गई थी वो उनका खुद का मोबाइल था।

दिल्ली जल बोर्ड ऑफिस में तोडफोड़, मटके फेंके

नई दिल्ली। जल संकट को लेकर भाजपा दिल्ली के 14 जगहों पर मटका फोड़ प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान भाजपा के कार्यकताओं ने दिल्ली के छतरपुर के जल बोर्ड ऑफिस में तोडफोड़ की है। उन्होंने मटके ऑफिस के कांच पर फेंककर फोड़ दिए। फिलहाल इसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। प्रदर्शन के दौरान नई दिल्ली सीट से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली में जल संकट प्राकृतिक समस्या नहीं है। यह आप द्वारा बनाई गई किल्लत है। दिल्ली के पास पर्याप्त पानी है। हरियाणा भी ज्यादा पानी रिलीज कर रहा है। 10 साल में आप ने दिल्ली जल बोर्ड को 600 करोड़ के प्रॉफिट से 73 हजार करोड़ के लॉस में ला दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में पानी की कमी के लिए अगर कोई जिम्मेदार है तो वह सीएम अरविंद केजरीवाल है। दिल्ली में पानी स्टोर करने की जगह है। हरियाणा भी अपनी क्षमता से ज्यादा पानी दे रहा है। पानी की चोरी और बबार्दी इस किल्लत का मूल कारण है।

बैठक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की बैठक, दिए निर्देश

आतंकवाद को कुचलें, मददगारों को भी न बख्शें

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में रविवार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जाए। 21 जून को योग दिवस के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को श्रीनगर जा रहे हैं। 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही है। इसे देखते हुए शाह ने अधिकारियों से यात्रा रूट और नेशनल हाईवे पर अतिरिक्त बलों की तैनाती करने कहा है। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा फोकस मीटिंग के दौरान गृह मंत्री शाह का पूरा फोकस अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा। पिछले साल 4.28 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा पर आए थे। इस बार यह आंकड़ा पांच लाख तक जा सकता है। यह कहा जा रहा है कि इस बार सभी तीर्थयात्रियों को स्पेशल कार्ड दिए जा सकते हैं, ताकि उनकी असली लोकेशन का पता लगाया जा सके। इसके अलावा सभी को 5 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जाने वाले प्रत्येक जानवर के लिए 50 हजार का बीमा कवर भी होगा। शाह ने एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से बेस कैंप तक सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर जोर दिया है।

यात्रा के लिए 500 कंपनियां तैनात होंगी

अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। यात्रा से पहले केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबलों की 500 कंपनियों को घाटी में तैनात करने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ समेत केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल की 500 कंपनियों को अमरनाथ यात्रा के रूट पर तैनात किया जाएगा।

Regd. 202045

भारतीय पत्रकार समिति

पत्रकारों के हक में - पत्रकारिता के हित में

तेजी से उभरता भारत का सबसे बडा पत्रकारों का संगठन

पत्रकारिता से जुडे व्यक्ति सदस्य बनने के लिए अपना बायोडाटा आईडी कार्ड सहित ईमेल करे

निष्पक्ष | निडर | सेवाभाव

राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू

Email: indianjournalistcommittee@gmail.com

उपखंड स्तरीय जन सुनवाई गांव पसुंद में संपन्न

ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। गांव पसुंद में उपखंड स्तरीय जन सुनवाई का आयोजन किया गया जिसमें उपखंड अधिकारी अर्चना बुगालिया, तहसीलदार विजय कुमार रैगर, विकास अधिकारी संगीता व्यास एवं अन्य ब्लॉक लेवल अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में 33 प्रकरण आए। इस जन सुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना था। जन सुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना

और तत्परता से समाधान के प्रयास किए। लोगों ने अपने मुद्दों को खुलकर साझा किया, जिनमें मुख्यतः भूमि विवाद, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा से संबंधित समस्याएं शामिल थीं। उपखंड अधिकारी अर्चना बुगालिया ने बताया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनसुनवाई के माध्यम से आम जनता को त्वरित और प्रभावी समाधान प्रदान करना है। उन्होंने आगे कहा, ₹हमारे प्रयास हमेशा यही रहते हैं कि लोगों की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े।₹ एसडीओ ने जन सुनवाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹इस प्रकार के कार्यक्रम जनता और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं, जिससे पारस्परिक विश्वास और सहयोग में वृद्धि होती है।₹ तहसीलदार विजय कुमार ने भी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों पर उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि कई समस्याओ का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में विस्तृत जांच और कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। इस जन सुनवाई में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की। 20 जून को जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन कलेक्ट्रेट में होगा।

होटल पर तोड़फोड़ करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़ विद्याधर वैष्णव । दिवेर थाना क्षेत्र के सोलंकिया का गुड़ा गांव में स्थित तुलसी होटल पर कुछ दिनों पूर्व बदमाश प्रवृति के युवकों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट की गई थी।उक्त घटना मे होटल मालिक चतर्भुज और उनके मजदूरों को गंभीर चोटें आई।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पारिक और पुलिस उप अधीक्षक भीम पारस चौधरी के नेतृत्व में पुलिस गठित टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी प्रकाश सिंह को जोधपुर से गिरफ्तार कर लिया है ।पुलिस पूछताछ में प्रकाश सिंह ने अपना अपराध स्वीकार किया है।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में

पेश किया जहां उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।पुलिस उक्त घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रहीं है।उक्त घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ऐसे अपराधियों के बढ़ते हौसले से आमजन मे काफी भय व्याप्त है। ऐसे मे पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही एवं आरोपीयों की गिरफ्तारी होने से क्षेत्र वासियों ने राहत की सांस ली है।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने किया समग्र नेशनल आइकन अवार्ड का पोस्टर विमोचन

23 जून को जयपुर में होगा समग्र नेशनल आइकन अवार्ड 2024 आयोजित

- देश के विभिन्न राज्यों से उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को किया जाएगा सम्मानित

♦भारत टाइम्स♦

चितौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। जवाहर कला केंद्र ऑडिटोरियम जयपुर में दिनांक 23 जून 2024 रविवार को समग्र नेशनल आइकन अवार्ड 2024 का आयोजन होगा। संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट दया शर्मा ने बताया कि इस सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से अलग अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। जिसका शनिवार को पोस्टर विमोचन उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने किया। पोस्टर विमोचन के दौरान एडवोकेट दया शर्मा मालवीय नगर मंडल महामंत्री

घनश्याम भार्गव, दीपिका जैन, निखिल वर्मा, संगीता सिंह और वार्ड 131 के पार्षद गोविंद छिपा उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विगत समग्र नेशनल आइकन अवार्ड 2023 में विभिन्न गतिविधियों व समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान व उत्तम स्थान प्राप्त करने वाली 25 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय व प्रांतीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित व सम्मानित करना है। संस्थान के चितौड़गढ़ टीम हेड अमित कुमार चेचानी ने बताया कि संस्थान गत 20 वर्षों से सामाजिक सरोकार की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय है जिसमें बालिका शिक्षा, नारी उत्थान व स्वास्थ्य, गरीब व असहाय बच्चों व लोगों की मदद करना, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान सेवा, परिवार में संस्कार व सौहार्द में सहयोग, ऐतिहासिक विरासतों का संरक्षण, सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियां इत्यादि है।

ईद उल अजहा आज

बोरुंदा सोहनलाल वैष्णव। ईद उल अजहा यानी बकरीद का त्यौहार सोमवार को मनाया जाएगा इस दौरान कई मुस्लिम घरों में कुर्बानी भी की जाएगी। ईद उल अजहा को लेकर रविवार को विभिन्न मुस्लिम मोहल्ले में ईद की पूर्व संध्या पर खरीदारी करते हुए लोग नजर आए। मौलाना मोहम्मद आलीम व अब्दुल रहीम कादरी ने संयुक्त रुप से बताया कि सोमवार को बोरुंदा में ईद की मुख्य नमाज दो स्थानों पर पढ़ी जाएगी। सदर बाजार स्थित ईदगाह में प्रातः 8 बजे तथा लौहारों के बास स्थित मस्जिद में भी ईद की मुख्य नमाज पढ़ी जाएगी जिसमें अमन चैन की दुआ की जाएगी। इसको लेकर मुस्लिम समाज के लोगों विभिन्न आवश्यक तैयारियां देर रात तक पूरी करने में जुटे रहे।

मारवाड़ में जल अमूल्य है बचत के संसाधनों को अपनाने से होगा फायदा : द्विवेदी

जल पीने का हो या सिचांई का अमृत से कम नही

- वर्षा जल को संचय व बचत करना अहमं है।
- 20 जुन तक आवेदन करने वाले किसान को होगा लाभ

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा सोहनलाल वैष्णव। कृषि एवं उद्यान विभाग में फार्म पौण्ड, सिचांई पाईपलाईन, फव्वारा, बूंद बूंद सिचांई पद्धति की विभिन्न योजनाऐं है। किसानों को इन योजनाओं का फायदा लेकर उपलब्ध सिचांई जल का खेती में कुशलतम उपयोग कर खेती को लाभकारी बनाना होगा। कृषि एवं उद्यान विभाग में किसानों के लिए वर्षा संचय जल संग्रहण के लिए उपयोगी योजनाऐं है खेत तलाई व फार्म पौण्ड। बरसात के दिनों में वर्षा जल खेतों से बहकर अन्यत्र चला जाता है उस जल को फार्म पौण्ड में संग्रहण कर बारानी फसलों में विशेषकर फसल की क्रान्तिक अवस्थाओं पर सिचांई कर फसल उत्पादन का वांच्छित लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

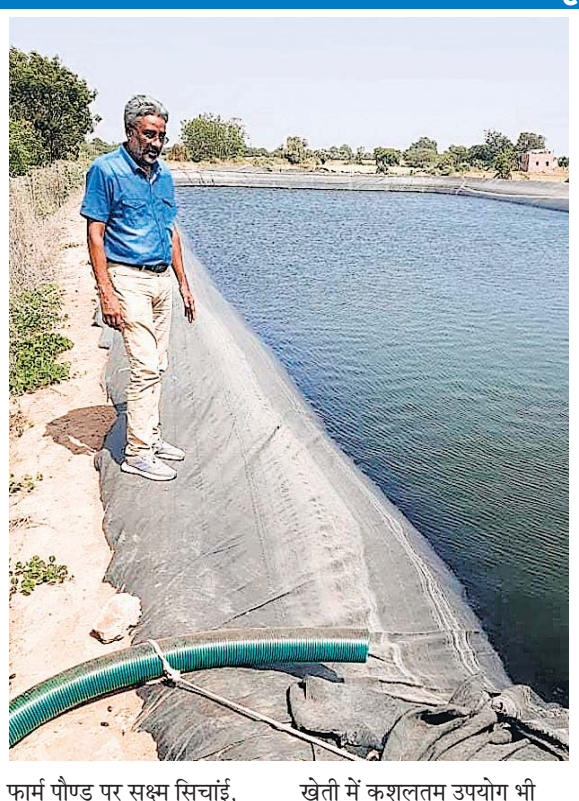

फार्म पौण्ड पर सुक्ष्म सिचांई, सिचांई पाईपलाईन एवं फव्वारा स्थापित कर संचल वर्षा जल का खेती में कुशलतम उपयोग भी किया जा सकता है। पूर्व में निर्मित जहां वर्षा अच्छी हुई वहां खेत तलाई एवं सामुदायिक फार्म पौण्ड में वर्षा संचय जल का किसानों को फायदा भी मिला। वर्षा जल संचय के लिए उपयोगी है फार्म पौण्ड योजना। बरसात का जल खेतों से बहकर अन्यत्र व्यर्थ बहकर चले जाने से बहकर जाने वाले जल से भूमि कटाव के साथ भूमि के उपजाऊ मिट्टी कणों का ह्रास भी होता है। वर्षा जल का फार्म पौण्ड में संचयन कर खेतीं सिचांई में कुशलतम उपयोग किया जा सकता है। वैसे ही भूमिगत जल गहराई में जाना-जल बचत के लिए वर्षा जल की बचत आज की आवश्यकता है। अधिक से अधिक फार्म पौण्ड को प्राथमिकता देनी चाहिए। इन योजनाओं पर कृषि एवं उद्यान विभाग से अनुदान भी मिलता है। खेतीं में सिचांई जल बचत के आधुनिक संसाधनों के उपयोग लिए किसान फव्वारा, मिनि फव्वारा, बूंद बूंद सिचांई पद्धति एवं सिचांई पाईपलाईन में ऑनलाइन आवेदन कर लाभान्वित हो सकते है। सुक्ष्म सिचांई पर भी अनुदान देय है।

बागवानी खेतीं एवं सुक्ष्म सिचांई संसाधनों के लिए ऑनलाईन आवेदन कर लाभ प्राप्त किया जाता है। माह जुलाई-अगस्त में पौधरोपण का उपयुक्त समय होता है।

रफीक अहमद कुरैशी, सहायक कृषि अधिकारी।

सुक्ष्म सिचांई में बूंद बूंद सिचांई पद्धति, फव्वारा, मिनि फव्वारा सिचांई पद्धति खेतीं जल बचत के उपयोगी संसाधन है। नीबूं, बेर, अनार एवं खजुर नवीन बगीचा स्थापित पर भी अनुदान देय है।ऑनलाइन आवेदन कर लाभान्वित हो।

डा.जीवनराम भाकर, उपनिदेशक उद्यान जोधपुर।

मारवाड़ में वर्षा जल को संचय कर यदि खेती में उसका उपयोग होता है तो बहुत ही लाभकारी है। अपना खेत अपना पानी की कहानी चरितार्थ करनी है तो फार्म पौण्ड के लिए आज ही ऑनलाइन आवेदन कर लाभान्वित हो। फार्म पौण्ड पर 63 व 90 हजार रुपये कच्चा निर्माण और 1.20 लाख एवं 1.35 लाख रुपए पक्का निर्माण करने पर गत वर्ष के अनुसार कृषक श्रेणीवार अनुदान देय है। सिचांई पाईपलाईन मे प्रति कृषक अधिकतम 15 हजार रुपए तक अनुदान देय है। 20जून 2024तक प्राप्त ऑनलाइन आवेदन को रेण्डमाईजेशन के आधार पर लाभान्वित किया जायेगा। अब तक ऑनलाइन आवेदन कर रखा है वह किसान भी इसमें सम्मिलित रहेगे। आज ही ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर लाभान्वित योजना में सामिल हो।

ब्रजकिशोर द्विवेदी, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार जोधपुर।

बाड़मेर-ऋषिकेश ट्रेन का एलएचबी रैक से संचालन हुआ प्रारंभ

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। बाड़मेर से चलकर ऋषिकेश जाने वाली ट्रेन रविवार से अत्याधुनिक सुविधाओं वाले एलएचबी रैक से चलना प्रारंभ हो गई । जबकि ऋषिकेश से ट्रेन 18 जून से एलएचबी रैक से बाड़मेर आएगी। जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे द्वारा यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं जिसके चलते ट्रेनों को परंपरागत आईसीएफ कोचों की जगह अत्याधुनिक सुविधायुक्त एलएचबी डिब्बों वाले रैक से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ट्रेन 14888 बाड़मेर-ऋषिकेश-एक्सप्रेस ट्रेन का रविवार से एलएचबी रैक से संचालन प्रारंभ किया गया है जिससे यात्रियों का सफर आरामदायक होगा जबकि ट्रेन 14887,ऋषिकेश-बाड़मेर एक्सप्रेस ऋषिकेश से 18 जून से एलचबी रैक से चलना प्रारंभ होगी।

ग्राम पंचायत झांफली कलां के ग्रामीणों का धरना सातवें दिन भी जारी, अनशन की दी चेतावनी

♦भारत टाइम्स♦

शिव खेत सिंह राजपुरोहित। शिव ग्राम पंचायत झांफली कलां में विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच व दोषी कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर धरना सातवें दिन भी जारी रहा। धरनार्थियों ने चेतावनी दी कि प्रशासन हमारी मांगों के आधार पर निष्पक्ष व पारदर्शी जांच नहीं करवाता है तब तक हमारा धरना अनवरत जारी रहेगा। प्रशासन भ्रष्टाचार के आरोपी सरपंच व कार्मिकों को बचाने के लिए झूठी, तथ्यहीन, भ्रामक जांच पेश कर हमें बरगलाने का प्रयास कर रहा है ये रवैया जारी रहता है तो हमें मजबूरन अनशन करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। धरनार्थियों ने बताया कि ग्राम पंचायत झांफली कलां में करोड़ों रुपए की अनियमितताएं है, फर्जी

बिलों के माध्यम से राशि उठा ली गई, मौके पर कोई कार्य नहीं हुआ है, सीसी रोड़, इंटरलॉकिंग सड़कों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है और जो नाप कागजों में दशार्या है और राशि उठाई है मौके पर नाममात्र का कार्य किया गया है। पंचायत समिति प्रशासन भ्रष्टाचार के आरोपियों से मिलकर अपने कार्मिकों को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच से आनाकानी कर रहा है।

एक ही रात मे तीन जगह टूटे ताले, क्षेत्र मे हो रहीं चोरी की घटना से आमजन मे हो रहीं दहशत

दिवेर पुलिस जुटी चोरों की तलाश मे

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़ विद्याधर वैष्णव । दिवेर थाना क्षेत्र के छापली पंचायत में बीती गुरुवार की देर रात्रि मे अज्ञात चोरों ने तीन अलग-अलग जगहों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। एक साथ तीन जगहों पर हुई चोरी की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पहली घटना छापली पंचायत के डुगावास निवासी ईश्वर सिंह पिता राम सिंह के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया गया पुलिस रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार की रात्रि मे ईश्वर सिंह अपने घर की पोल के उपर सो रहा था तभी अज्ञात चोर घर के अंदर घुसकर अलमारी का ताला तोड़ उसमें से सोने की रकडी, कान की झुमर, चांदी का कंदोरा, व पायजब तथा अलमारी में रखे नगद ग्यारह हजार रुपये लेकर फरार हुए दुसरी घटना छापली पंचायत के डुगावास भेरूजी की टेकडी निवासी जगदीश पिता रामलाल के घर को निशाना बनाया जहाँ ईश्वर सिंह का घर से थोड़ी दुरी पर हे वहां से हिरो होंडा कंपनी की स्पेलेंडर मोटर साईकिल चुराकर कर लें गये और चोर तीसरी वारदात को अंजाम देने निकल पड़े।छापली डुगावास में ही हेमेंद्र सिंह पिता देवी सिंह के मकान के अंदर घुसकर पच्चीस हजार नकदी लेकर फरार होने वाले थे की घरवालों की अचानक नींद खुल गई और शौर मचाया तो आस पास के लोग उठ गये। और हेमेंद्र सिंह के घर से चोर चोरी कर भाग रहे थे तभी लोगों ने पिछाकर कर एक चोर को दबोच लिया एवं अन्य साथी भाग गये।घटना की सुचना पुलिस थाना दिवेर को दी गई जिस पर शुक्रवार सुबह दबोचे गये चोर को नाम पता पुछने पर उमेश लाल पिता मदन लाल निवासी मंडावरी जिला चितोंडगढ होना बताया अज्ञात चोरों के द्वारा एक रात में तीन-तीन चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने से लोग चिंतित व दहशत में हैं। वैसे पीड़ित लोगों के द्वारा चोरी घटना की लिखित सूचना थाना में दे दी गई है। दिवेर थानाधिकारी भंवानीशंकर ने धारा 380, 457 भादंसं में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान अर्जुन सिंह सउनि के जिम्मे किया है।

आवश्यकता

भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।

Bharattimesnews01@gmail.com

Whatsapp

9509745147
9799911545

ग्राम विकास अधिकारी जिलाध्यक्ष विजय प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पंचायती राज मंत्री एवँ पशुपालन मंत्री का जोरदार स्वागत

पाली प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में हुआ स्वागत

♦भारत टाइम्स♦

बर कैलाश गुर्जर। जयपुर से पाली प्रवास के दौरान राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर एवँ पशुपालन विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत का ग्राम विकास अधिकारी संघठन पाली ओर पंचायत राज संघटन के साथियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान केबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने पाली एवँ आस पास क्षेत्र की समस्या के बारे में जाना और भरोसा दिलाया की जल्द से जल्द जो भी आमजन की समस्या होगी वो दूर करायेंगे। इस बातचीत के दौरान जोराराम कुमावत ने बताया की पाली क्षेत्र में विकास की गंगा बहायेंगे। जानकारी के अनुसार आपको बता दे राजस्थान सरकार के दोनों केबिनेट रविवार को पाली स्थित बलराई में माइक्रो लैब्स,बेंगलोर के प्रमुख आदरणीय दिलीप सुराणा बंधुओ द्वारा 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित श्रीमती भवरी

बाई घेवरचंद जी सुराणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन कार्यक्रम में आये थे। इस सुअवसर पर मंत्री महोदय ने विद्यालय भवन की अत्याधुनिक सुविधाओं का

अवलोकन करते हुए भामाशाहों को उनके योगदान हेतु उनका अभिनंदन किया तथा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर सभी का उत्साहवर्धन किया।

पिता की गोद

सबसे प्यारी नींद वही होती है,
पिता की गोद में जो जिंदगी है,
वो जिंदगी कहीं नहीं होती है,
धूप छांव बरसात सब सहते हैं,

बिना कुछ कहे मुस्कुरा कर हर
बात कहते हैं,
सफर में नींद आ जाए तो पिता
की गोद में चैन से सोते हैं

उनके लिए थोड़ा मुश्किल होता है,
गोद में जब बच्चा सोता है छोटी सीट हो
फिर भी आराम बच्चों को पूरा होता है,
पिता करवटें बदल-बदल कर
रास्ता छोटा करते हैं,

पर बच्चा जाग ना जाए इस बात
की जीकर फिकर पूरा करते हैं,
पिता की मोहब्बत तो देखिए बच्चे
की नींद कैसे पूरा करते हैं

मैं जब छोटी बच्ची थी अक्सर
सफर में सो जाया करती थी,
माता की गोद में ना सो कर पिता
की गोद में सोया करती थी,

पिता थोड़े सख़्त होते हैं ऐसा लगता है ,
परंतु पिता नारियल के जैसे होते हैं,
बाहर से सख्त अंदर से नरम होते हैं

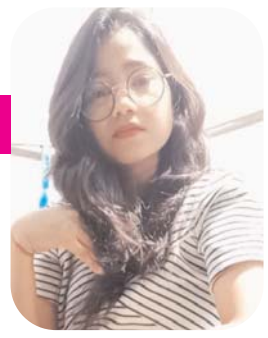

राजस्थान सरकार ने दाती महाराज से मांगा तालाबों की खुदाई में सहयोग

श्री शनिधाम पाली पहुंचे पंचायत एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर दाती महाराज की समाज सेवा की मुहिम देखकर हुए गदगद

देश के निर्माण में संतों की भूमिका को सराहा, दाती महाराज ने भी उत्तम स्वास्थ्य का दिया आशीर्वाद

44444

पाली। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि देश के निर्माण में संतों की अहम भूमिका होती है। संतों के एक आह्वान पर समाज सुधार की जो मुहिम आरंभ होती है, वह अनवरत चलती रहती है। दिलावर ने कहा कि जो काम राज्य सरकारें नहीं कर सकती, वह काम संत समाज अपने एक आह्वान पर कर सकते हैं। इसलिए समाज सुधार के कार्यों में संतों की भूमिका को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मदन दिलावर पाली स्थित श्री शनिधाम मंदिर परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने महामंडलेश्वर संत शिरोमणि दाती जी महाराज के सानिध्य में चल री नंदीशाला और गोशाला का अवलोकन किया। दाती महाराज ने राजस्थान और दिल्ली में स्वयं के प्रयासों से गोशालाओं का निर्माण करा रखा है, जिसमें हजारों गोवंश रहता है। इन गोशालाओं व नंदीशालाओं में गोवंश के संरक्षण के साथ-साथ उनके ईलाज की भी समुचित व्यवस्था रहती है। शिक्षा एवं पंचायत मंत्री ने पाली में गायों के उपचार के लिए अत्याधुनिक एंबुलेंस सेवा को देखकर बेहद प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन काल में गायों के ईलाज के लिए ऐसी एंबुलेंस आज तक नहीं देखी। यह बेहद अद्भुत है। इस मोके कैबिनेट मंत्री को आशीर्वाद देते हुए दाती महाराज ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे गौ माता के साथ ही देश और समाज की सेवा करने का पुण्य अवसर मिल रहा है साथ ही कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर के साथ चर्चा करते हुए दाती महाराज ने बताया कि राष्ट्रीय संत सेवा गौ रक्षा कल्याण परिषद् एवम श्री शनिधाम ट्रस्ट विगत काफी वर्षों से जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर कार्य कर रहा है। श्री शनिधाम ट्रस्ट विगत वर्षो से सरकार के साथ मिल कर जल जल संरक्षण के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य कर रहा था एक बार पुनः राष्ट्रीय संत सेवा गौ रक्षा कल्याण परिषद् एवम श्री शनिधाम ट्रस्ट कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर के निवेदन पर राजस्थानढ सरकार के साथ मिलकर पूरे पाली जिले के साथ ही राजस्थान भर में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण तालाब सौंदर्य करण से संबंधित कार्य को पुन एक मिशन के रूप में चालू करेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा की राजस्थान सरकार राष्ट्रीय संत सेवा गौ रक्षा कल्याण परिषद् एवम शनिधाम ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे हैं मुख पशु प्राणी और मानव हित के कार्यों में सदैव अग्रणी भूमिका में सहयोगी के रूप में रहेगी राज्य सरकार राष्ट्रीय संत सेवा गौ कल्याण परिषद् एवम श्री शनिधाम ट्रस्ट के साथ कंधा से कंधा मिलाकर जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए जगह जगह पेड़ लगाने के कार्य को पूरी मजबूती से करेग शिक्षा एवं पंचायत राज्य मंत्री ने कहा कि इस समय पूरे देश में जबरदस्त गर्मी पड़ रही है। राजस्थान में पानी की बहुत किल्लत है। तालाबों की खुदाई और जल संरक्षण की जब भी राज्य में जरूरत पड़ी, दाती जी महाराज और उनकी टीम ने आगे बढ़कर निस्वार्थ काम किए। उन्होंने दाती महाराज से आह्वान किया कि राज्य सरकार के तालाबों की खुदाई और जल संरक्षण के कार्यों में वह आगे भी भागीदारी बनें, ताकि उनके कार्यों से पूरा प्रदेश और जन-जन लाभान्वित हो सके। स्वामी निजस्वरूपानंद महाराज (दाती जी) ने सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर तथा शाल ओढ़ाकर पंचायत एवं शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। श्रीशनिधाम असोला-फतेहपुर (दिल्ली) के मीडिया संचालक अशोक कुमार ने बताया कि राजस्थान में तालाबों की खुदाई, जल संरक्षण, गरीब व जरूरतमंद कन्याओं के विवाह तथा गरीब व असहाय बच्चों खासकर लड़कियों की पढाई के लिए शनिधाम के कार्य अनवरत जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि संत समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ मुहिम को पहले से अधिक गति प्रदान करने का काम करेगा। बता दें कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार दायित्व ग्रहण समारोह में पूरे देश से संत समाज की ओर से दाती जी महाराज ने भागीदारी कर उन्हें समाज सेवा व देश को आगे बढ़ाने वाले कार्यों में सफल होने का आशीर्वाद दिया था। एक अवसर पर कैबिनेट मंत्री दिलावर ने राष्ट्रीय संत सेवा गौ रक्षा कल्याण परिषद् एवम श्री शनिधाम द्वारा रोड एक्सीडेंट और बीमार गौमातों के लिए लाई गई।अत्याधुनिक तकनीकी की गौ एंबुलेंस का अवलोकन करके गौ सेवा के कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की इस मौके पर महंत श्रद्धापुरी, महंत दयापुरी, समाजसेवी सोहन चंदेल, पंडित अतुल, दीदी शिवानी, मनीष गाड़ी, मदनसिंह इन्दा, मुरली गहलोत, रमेश भानावत, पूरन आर्य, साहिल डांगी, अशोक डाकलिया, भैराराम, दिनेश सोलंकी, रमेश, गोपाल सहचा, प्रकाश, रमेश टोकला, कानसिंह, रामलाल पंवार सहित लोग मौजूद रहे।

जानरायजी मंदिर के शिखर पर पर चढ़ाई ध्वजा: भक्तों ने लिया महाप्रसादी का लाभ

भजनों पर झूमे श्रद्धालु ,देर रात तक बही भक्ति सरिता

♦भारत टाइम्स♦

पाली। सोजत बगड़ी नगर के निकटवर्ती गांव देव नगरी पिपलाद में हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी भगवान जानरायजी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। प्रातः मंदिर के मुख्य पुजारी मंगला महाराज के सानिध्य में पूजा-अर्चना की गई। उसके बाद ढोल धमाकों के साथ अमर ध्वजा के लाभार्थी हिरालाल, वेनाराम, अमराराम, नेमाराम परिवार द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजा चढ़ाई। साथ ही समस्त भक्त गणों ने जय जानरायजी के जयकारें लगाते हुए महाआरती की। उसके बाद लापसी का भोग लगाया गया। दिन भर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा और पूरा वातावरण भगवान जानरायजी के जय- जयकारों से गुंजायमान हो गया। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां देकर धर्म लाभ अर्जित किया। भक्तों ने मंदिर में दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया इससे पूर्व संध्या पर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत रात्रि भजन संध्या का आयोजन किया गया । मंदिर प्रांगण में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। कार्यक्रम में स्थानीय भजन गायक श्याम भोपाजी, बाई रामजी कुटीया पिपलाद ने गणपति व गुरू वंदना के साथ सुरों की गंगा प्रवाहित की। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते रहे। कार्यक्रम में नगरवासी भौर तक सुरों की सरिता में डुबकी लगाते रहे। स्वः पिताराम परिवार द्वारा ईश्वर दासजी की छतरी पर ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर जानरायजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल सैणचा बेंगलूरू, सलाहकार रूपाराम सैणचा होसूर, कोषाध्यक्ष वचनाराम सैणचा, भोलाराम सैणचा चेन्नई, मगाराम सैणचा विलिपुरूम, सीरवी समाज होसूर वडेर के सचिव भुण्डाराम सैणचा सहित सैणचा भगत परिवार एवं आस-पास के बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मूक प्राणियों के प्रति करुणा व मंगल भावना के लिए जैन समाज करेगा एक दिन का अनशन तप

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। धर्म नगरी थांदला में जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. ₹अणु₹ की पावन परम्परा को आगे बढ़ा रहे बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती पुण्य पुंज पुण्यशीलाजी म.सा. आदि ठाणा -6 के मंगल पदार्पण के साथ ही जैन धर्म स्थानक में धर्म की गंगा बह रही है। पुण्य पुंज पुण्यशीलाजी म.सा. के मुखारविंद से बह रही जिनवाणी का श्रेताजन रसपान कर रहे है। पुण्य पुंज ने जैन आगम आचारांग सूत्र का आलम्बन लेते हुए धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने साढ़े बारह वर्ष घोर साधना करके केवल ज्ञान केवल दर्शन को प्राप्त किया उसके बाद भव्य जीवों को प्रतिबोधित किया। भगवान ने भव्य जीवों के लिए फरमाया ₹उठों प्रमाद मत करों₹ तो आपसे प्रश्न है कि क्या आप उठे हुए नही हो ...? उठने का मर्म समझाते हुए पूज्या श्री ने कहा कि आज का मनुष्य जरा सी मोबाईल की घण्टी बजे या बर्तन की आवाज आ आ जाये, कही जाना हो, शरीर में रोग हो या फिर कोई भयावह स्वप्न देख ले तो तुरंत उठ जाता है लेकिन ऐसा उठने का सौभाग्य तो पशु को भी मिला है। एक कुत्ता भी जरा सी हरकत सुनकर जाग जाता है तो फिर भगवान ने उठने पर बल दिया तो कोई रहस्य ही होगा। इस रहस्य से पर्दा उठाते हुए पूज्या श्री ने कहा मोह नींद से जागने का भगवान कह रहे है। वास्तव में उठना तो सरल है लेकिन जगाना कठिन है। हम उठते है और बाहरी दृश्य देखने में मस्त हो जाते है। आज तक हमने इन आँखों का उपयोग केवल बाहरी दुनिया देखने में ही किया है, पृथ्वी, पानी वनस्पति सबकुछ देखने बाहर जाते है और फिर उन पर आसक्त होकर कर्म बंध कर लेते है। उन्होंने कहा कि जिस वस्तु स्थान की आसक्ति हो जाती है जीव की उत्पत्ति भी वही होती है। इसलिए जागने का वक्त आ गया है। सोना बाहरी दृष्टि है जबकि जागना भीतरी दृष्टि है। बाहरी दुनिया देखने के लिए नाना प्रकार के प्रयत्न करते है। गुरुदेव ने मोक्ष पुरुषार्थ के पहले बोल में ही फरमाया है कि जीव को दुर्लभ मनुष्य भव मिल गया, त्रस व बादर पना मिल गया, मन मिल गया यहाँ तक कि 10 दुर्लभ बोल में भी कुछ बोल प्राप्त हो गए लेकिन उनका यदि सदुपयोग नही किया तो हम सब हार जायेंगें फिर यह पुनः मिलने वाला नही है। उत्तराध्ययन के तीसरे अध्ययन में भगवान में मनुष्य की दुर्लभता बताते हुए कहा है कि मनुष्य भव की 1 लाख योजन के मेरु पर्वत जितनी राई में 1 सरसों का दाना देव सहायता से कदाचित ढूंढ ले लेकिन मनुष्य भव हार जाने के बाद यह मिलने वाला नही है। इसलिए बाहरी दृष्टि वस्तु का मूल्य ही कराएगी जबाकी अंतर्दृष्टि खुल जाए तो जीवन का मूल्य कराएगी और यह सब जिनवाणी पर दृढ़ श्रद्धा से ही सम्भव है। इस अवसर पर सद्गुणाश्रिजी ने फरमाया कि असफल कोई भी होना नहीं चाहता, पिछे हटना या हार मानना किसी को भी पसंद नही। संसारी अपनी सफलता का मापदण्ड भौतिक सम्पन्नता में मानता है अर्थात संसार में जिसके पास भौतिक सम्पन्नता ज्यादा वह उतना सफल, लेकिन ज्ञानी आत्मीक दृष्टि रखते है वे बाहरी सफलता को सफलता नहीं मानते, उनके लिए बाहरी जय जकार तो अंन्तर में हाहाकार मचा रहता होता है। आचारांग सूत्र के द्वारा भगवान ने कहा कि जो एक मोहनीय कर्म को जीत लेता है वह सबको जीत लेता है। सम्यग इष्टि जीव संसार के जड़-चैतन्य पदाथों में भी निर्लिप्त बनकर ही रहेगा। पूज्याश्री ने कहा कि पहले तीर्थंकर भगवान के समय समकीत पाया फिर भी लगभग 1 क्रोडा-क्रोड़ी सागरोपम जितनी स्थिति के बाद भगवान महावीरस्वामी अंतीम तीर्थंकर बने उन्हें भी मोह ने रोके रखा लेकिन वे जागृत आत्मा थे तो सभी को जगाने का काम भी कर गए। पूज्याश्री ने कहा कि मोहनीय कर्म का बंध उम्र के हर पड़ाव में होता है तो उसका क्षयोपशम भी हर उम्र में सम्भव है। दृढ़ वैरागी जम्बूस्वामी लघु वय में जाग गए तो उनके साथ 526 अन्य आत्माओं ने भी मोक्ष मंजिल को पा लिया। गजसुकुमाल मुनि की 16 वर्ष में गजब की सहनशीलता से उन्होंनें मोह रूपी कर्म बंधन तोड़ दिए इसलिए हर जीव को प्रबल पुरुषार्थ करते हुए सम्यग पुरुषार्थ करना चहिये। धर्म सभा में पूर्वाध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत ने संघ कि ओर से पूज्याश्री से कुछ दिन ओर स्थिरता की विनंती की। जानकारी देते हुए संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि पुण्य पुंज पुण्यशीलाजी म.सा. का धर्मदास गण में करीब 26 सतियाजी के साथ सबसे बड़ा सिंघाड़ा है जिसमें पूज्याश्री का बदनावर चातुर्मास है।

प्रदेश संरक्षक देवी सिंह देवल ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा

♦भारत टाइम्स♦

बांजाकुड़ी(रजत टाक)। पूर्व मंत्री एवं बिलाड़ा विधायक अर्जुन लाल गर्ग को पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ के प्रदेश संरक्षक देवी सिंह देवल कूपडावास ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर संविदा कर्मियों को नियमित कराने कि मांग की संविदा कर्मियों का झलका दर्द संविदा सेवा नियम की नहीं हो रही है पालना पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ के प्रदेश संरक्षक देवी सिंह देवल कूपडावास ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन बिलाड़ा विधायक अर्जुन लाल गर्ग को सौंप कर बताया कि राजस्थान संविदा सेवा नियम 2022 राज्य में 11 जनवरी 2022 को बनाया गया था शिक्षा विभाग स्कूल शिक्षा प्रारंभिक शिक्षा में दिसम्बर 2022 में संविदा कर्मियों पंचायत शिक्षक विद्यालय सहायक कनिष्ठ शिक्षक आदि संविदा कर्मियों को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा मुख्यालय ने नियुक्ति पत्र जारी किया जिसमें मानदेय का दस प्रतिशत एन पी एस कटौती व पांच सौ रुपए का दुर्घटना बीमा ?1500 रुपए मेडि क्लेम का पुनर्भरण का लिखा हुआ है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है वहीं संविदा सेवा नियम 2022 में संविदा कर्मियों को संविदा सेवा अभिलेख सेवा संधारण पुस्तिका में रोस्टर बुक में प्रति वर्ष 20 पीएल व मेडिकल लीव जोड़ ने का लिखा हुआ है लेकिन पूरे राज्य में अभी तक किसी संविदा कर्मी के पीएल नहीं जोड़ी गई है संविदा कर्मियों को नियुक्त किए 18 माह हो गए हैं राज्य में शिक्षा विभाग में अठाईस हजार संविदा कर्मी संविदा पर कार्य कर रहे हैं पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ प्रदेश संरक्षक देवी सिंह देवल कूपडावास ने विधायक अर्जुन लाल गर्ग को बताया कि संविदा कर्मी मानसिक रूप से परेशान हैं अधिकांश संविदा कमीयों पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जाना पड़ रहा है कार्य कर रहे हैं अपनी उपस्थिति दे रहे हैं उन्हें ग्रीष्मकालीन अवकाश का लाभ मिलेगा या नहीं मिलेगा यह भी संविदा कर्मियों को पता नहीं है शिक्षा विभाग में अधिकारीयो से पूछने पर अधिकारी बताते हैं कि संविदा कर्मियों के कोई ग्रीष्मकालीन अवकाश नहीं होता है संविदा कर्मी कम मानदेय में भी अच्छा कार्य कर रहे हैं जैसे प्रारंभिक शिक्षा उनियन का कार्य बीएलओ का कार्य चुनाव कार्य मिड डे मील का कार्य विद्यालय में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सहायक का कार्य बाबू कनिष्ठ सहायक का कार्य शारीरिक शिक्षक अनुदेशक का कार्य व एक शिक्षक का कार्य पढ़ने का कार्य भामाशाहों को प्रेरित करने का कार्य सहित विद्यालय के संपूर्ण कार्यो में अपनी सहभागिता निभाते हैं पूर्व में यह संविदा कर्मी पंचायत सहायक थे जो तत्कालीन वसुंधरा सरकार ने पंचायत सहायक पद अस्थाई एक वर्ष के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में नियुक्त किया था तब मानदेय मात्र छः हजार ?6000 था वह यह मंडे का भुगतान ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता था अब पंचायत शिक्षक का मानदेय 17800 हैं वह अब मानदेय का भुगतान शिक्षा विभाग द्वारा पीडी अकाउंट से किया जाता है इससे पहले विद्यार्थी मित्र प्रेरक सर्व शिक्षा अभियान में कार्य सहित सरकारी परियोजनाओं में कार्य किया था पूर्व के अनुभव को जोड़ा जाए अनेक पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों के पास पहले का पांच से सात वर्ष तक का कार्य अनुभव है संविदा सेवा नियम में लिखा हुआ है की पांच वर्ष तक संविदा पर कार्य करने वाले संविदा कर्मियों को नियमित किया जाएगा इसलिए शिक्षा विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित करें स्थाई करें।

जनशताब्दी एक्सप्रेस में स्पेशल टिकट चेकिंग अभियान

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर। सप्ताह में 5 दिन चलने वाली अजमेर -दिल्ली सराय रोहिल्ला जनशताब्दी एक्सप्रेस में विगत सप्ताह विशेष टिकट चेकिंग अभियान चला कर टिकट चेकिंग की गई । जिसमें कुल 565 मामले बिना टिकट व बिना उचित श्रेणी के टिकट के पकड़े गए। जिनसे 2,50,200 रुपये की राशि किराये व जुमार्ने के रूप में वसूल की गई। मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती मोनिका यादव के निर्देश पर 22 टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ यह टिकट चेकिंग की गई। इस अभियान के अंतर्गत किराए व जुमार्ने के अलावा यात्रियों को उचित श्रेणी का टिकट लेकर ही यात्रा करने हेतु जागरूक किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सुनील कुमार महला के अनुसार इस प्रकार के अभियान मंडल पर निरंतर चलाए जाएंगे ताकि उचित श्रेणी का टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा न हो ।

स्व.डॉ. बी.आर. चौधरी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सैकड़ो लोग हुए भावुक

तीये की बैठक में अधोलिखित पदाधिकारियों द्वारा अग्रेषित शोक संवेदना पत्र प्राप्त हुए।

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। उचियार्डा,बिलाड़ा के यशस्वी सपूत..जोधपुर शहर निवासी, कृषि विश्व विद्यालय जोधपुर के माननीय कुलपति महोदय ह्नडॉ. बी.आर. चौधरी के निधन पर दिनांक 14.06.2024 शुक्रवार को आपके जोधपुर स्थित निवास के पास (रूप नगर पार्क, मारवाड़ रेजेन्सी होटल के पीछे, पावटा ह्यसीह्न रोड, जोधपुर) में तीये की बैठक आयोजित की गई। तीये की बैठक में अधोलिखित पदाधिकारियों द्वारा अग्रेषित शोक संवेदना पत्र प्राप्त हुए। राजस्थान के राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र साहब एवं राजस्थान सरकार की ओर से जोधपुर कलेक्टर प्रोटोकॉल तथा पाली सांसद पी.पी. चौधरी, कृषि विश्व विद्यालय के निदेशक- डॉ. एम.एल. मेहरिया, जेएनवीयू के वी.सी. प्रो. डॉ. कन्हैयालाल श्रीवास्तव, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के वी.सी.- डॉ अजीत कुमार (कर्नाटक), काजरी के पूर्व निदेशक- डॉ. अमरसिंह फरोदा के साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों, कृषि संस्थाओं, प्रभागों, उपक्रमों के उच्च प्रशासनिक पदाधिकारीयों, प्रभागाधिकारियों एवं संस्था अध्यक्षों नें शोक संवेदना पत्र अग्रेषित कर भावभिनी श्रद्धांजली अर्पित करते हुए संवेदनाऐं प्रकट की। बैठक में प्राप्त उपरोक्त शोक संवेदना पत्रों को सीरवी समाज जोधपुर के समन्वयक पन्नालाल हाम्बड़, सचिव रतनलाल लेरचा तथा अ.सी.स.कर्मचारी वेलफेयर सोसायटी के सचिव तुलसाराम देवड़ा नें तीये के बैठक में पढकर अवगत करवाया। विभिन्न विभागो कें उपस्थित पदाधिकारियों ने भी श्रद्धांजली उद्बोधन देते हुए डॉ. बर्फा साहब की अमर आत्मा को राजकीय सम्मान के साथ भावभिनी श्रद्धांजली अर्पित की। शोक संवेदना सन्देशों में बताया कि डॉ. बी.आर. चौधरी साहब सादा जीवन एवं उच्च विचारों के साथ ही ईमानदारी एवं अनुशासन प्रिय राजकीय सेवा की अति प्रेरणात्मक मूरत थे। आप जैसे क्रियाशील एवं योग्य व्यक्तित्व का सानिध्य में निःसन्देह समुचे कृषि विभाग में नये, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक आयाम स्थापित हुए है। इस कार्यक्रम में सैकड़ो की सख्या में लोगों ने बी.आर.चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी।

अयोध्या में रामभक्तों की नहीं, टुकड़ों में बंटी जातियां हारी है!

फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की करारी हार के लिए लोग भले ही अयोध्यावासियों को कोस रहे हैं। त्रेता युग की याद दिलातें हुए उन्हें निर्दयी जैसे तरह-तरह के शब्दों से ट्रोल कर रहे हो। लेकिन हकीकत यह है कि अयोध्या में रामभक्तों की जीत हुई है, हारा तो वहां की टुकड़ों में बंटी जातियां है। मतलब साफ है कि पांच विधानसभाओं वाली फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में जहां मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का मंदिर है, उस अयोध्या विधानसभा में रामभक्तों ने भाजपा को तो जीता दिया है। यह अलग बात है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की छत्रछाया में पल बढ़ रहे एक पत्रकार के इशारे पर यह कह कर अयोध्यावासियों की किरकिरी करायी जा रही है कि रामभक्तों ने भाजपा को हरवा दिया। जबकि सच यह है कि रुदौली, मिल्की, बीकापुर और दरियाबाद विधानसभा में मुस्लिम की एकजुटता के मुकाबले टुकड़ों में बंटी जातियों ने भाजपा को हरवा है। हनुमानगढ़ी के मिष्ठान विक्रेता श्याम यादव कहते है यह आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है कि राम मन्दिर के निर्माण की वजह से जिन लोगों के मकानों और दुकानों को तोड़ा गया, वो लोग मुआवजा नहीं मिलने से बीजेपी से नाराज थे, जिसकी वजह से उन्होंने बीजेपी को चुनावों में हरा दिया. सच यह है कि अयोध्या में मन्दिर, एयरपोर्ट और सड़कों के चौड़ीकरण से न सिर्फ अयोध्या की भव्यता बढ़ी है, बल्कि रोजगार के अवसर मिले है। जहां तक मुआवजे का सवाल है तो सर्किल रेट से छह गुना अधिक मुआवजा यानी तकरीबन 1253 करोड़ मिलने से तो हर कोई गदगद है। लेकिन जब से कुछ लोगों द्वारा वामपंथियों के नेरेटिव वालें झांसे में आकर अयोध्यावासियों को ट्रोल कर रहे है उससे कमाई पर असर जरुर पड़ा है

फिरहाल, बीजेपी भले ही तीसरी बार लगातार केंद्र में सरकार बनाने का श्रेय राम लला को न दे, पर हकीकतो तो यही है राम मंदिर निर्माण से बीजेपी के पक्ष में हवा बनी थी. उस हवा का ही परिणाम है कि देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में मुस्लिमों का एकजुट होकर सपा के पक्ष में मतदान करने व भाजपा के अंदुरुनी कलह के बीच शीर्ष नेतृत्व द्वारा थके हारे व जातिय समीकरण में कहीं से भी फिट न बैठने के बावजूद प्रत्याशियों को मैदान उतारने पर अगर भाजपा 33 सीटे जीतने में कामयाब हुई तो इसका बड़ा श्रेय राम मंदिर व मोदी-योगी का प्रताप ही है, वरना जिस हिसाब से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर कथित पत्रकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद घटाने के लिए सपा के पक्ष में चक्रव्यूह की रचना की थी, उससे तो भाजपा का सुपड़ा ही साफ हो जाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी अगर 50 हजार करोड़ से भी अधिक विकास काम कराने के बावजूद वोट आफ मार्जिन घट गया

> देखा जाएं तो दस साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी भी नेता और पार्टी के खिलाफ असंतोष का लेवल बहुत बढ़ जाता है. इसके बावजूद भी अगर तीसरी बार बीजेपी को सत्ता हासिल हुई है तो इसका सीधा मतलब है कि बहुत से लोगों पर असंतोष की जगह मंदिर बनाने का वादा पूरा करना भारी पड़ा. अयोध्या में मिली बीजेपी की हार के बाद सोशल मीडिया पर कई दिनों से अयोध्या ट्रेंड कर रहा है.

तो उसी चक्रव्यूह की बू आती है, जिससे बाकी सीटें प्रभावित हुई। राजनीतिक विश्लेषक अविनाश मिश्रा का कहना है कि जहां अच्छे कैंडिडेट और सजग नेतृत्व रहा वहां तो भाजपा ने भुना लिया. लेकिन जहां प्रत्याशी जातिय ताना-बाना के सांचे में फिट नहीं बैठा, पार्टी के भीतर ही अंदुरुनीकलह रहा, वहां पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। जहां तक राम मंदिर का सवाल है तो ये उसी का परिणाम है कि सारे एंटीकम्बैसी के बावजूद दक्षिण से लेकर पूरब पश्चिम तक न सिर्फ एनडीए का वोट प्रतिशत बढ़ा है बल्कि 290 तक का आंकड़ा छू पायी है.

देखा जाएं तो दस साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी भी नेता और पार्टी के खिलाफ असंतोष का लेवल बहुत बढ़ जाता है. इसके बावजूद भी अगर तीसरी बार बीजेपी को सत्ता हासिल हुई है तो इसका सीधा मतलब है कि बहुत से लोगों पर असंतोष की जगह मंदिर बनाने का वादा पूरा करना भारी पड़ा. अयोध्या में मिली बीजेपी की हार के बाद सोशल मीडिया पर कई दिनों से ह्लअयोध्याह्ल ट्रेंड कर रहा है. कुछ लोग अयोध्यावासियों को खलनायक साबित करने में लगे हैं तो कुछ ने यह कहना शुरू किया कि हम अयोध्या जाएंगे पर वहां से कुछ खरीदेंगे नहीं. इस बीच सरयू किनारे का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें अयोध्या के ई-रिक्शा वाले कह रहे हैं कि कुछ दिनों से खर्च निकालना मुश्किल हो गया है. हालांकि यह भी दुष्प्रचार ही है. भाजपा विरोधियों ने यह प्रचारित करना शुरू कर दिया कि राम मंदिर में आस्था जैसी कोई बात नहीं थी यह सब बीजेपी का एक प्रौपेगैंडा था जो फेल हो गया है. जनता सब समझ गई है और अब अध्योध्या आने वाली नहीं है. जबकि फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की जिस दरियाबाद विधानसभा सीट पर बीजेपी 10 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हारी, वो सीट अयोध्या जिले में नहीं बल्कि बाराबंकी जिले में आती है. जो लोग दुकाने तोड़ने के एवज में मुआवजा नहीं दिय जाने का नेरेटिव फैला रहे है, उन्हें पता होना चाहिए कि सरकार और प्रशासन की तरफ से 1253 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया और ये राशि सरकार ने समय से लोगों के बैंक खातों में जमा करा दी थी. ये जानकारी खुद अयोध्या जिले के प्रशासन ने दी है.

विधानसभा वाइज जीत हार के आंकड़े देखने पर पता चला जिस अयोध्या नगरी में भगवान श्री राम का मन्दिर बना, उस अयोध्या के लोगों ने तो बीजेपी को चुनाव जिता दिया और वहां बीजेपी को सपा से साढ़े चार हजार से ज्यादा वोट मिले. लेकिन जो बाकी के चार विधानसभा क्षेत्र थे, वहां बीजेपी को सपा से कम वोट मिले, जिसके कारण बीजेपी इस बार फैजाबाद की सीट लगभग 50 हजारों वोटों से हार गई. इसकी बड़ी वजह रही सपा मुखिया अखिलेश यादव की रणनीति। क्योंकि इस बात को जानते थे कि उत्तर प्रदेश की बाकी सीटों की तरह फैजाबाद में भी हिन्दुओं को जातियों में विभाजित किए बिना चुनावों को नहीं जीता जा सकता और इसीलिए उन्होंने इस गैर आरक्षित सीट से अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवार बनाया, जो दलित हैं और पासी समुदाय से आते हैं. फैजाबाद में कुल 18 लाख वोटर हैं, जिनमें से 26 फीसदी दलित हैं और इनमें भी पासी समुदाय के लोगों की संख्या 3 लाख से ज्यादा है. इसके अलावा इस सीट पर 14 पर्सेंट मुस्लिम और 12 पर्सेंट यादव हैं और इन्हीं सारी जातियों को देखकर अखिलेश यादव ने अवधेश प्रसाद को यहां से चुनाव लड़ाया और ये नारा भी दिया कि ह्लहुना अयोध्या, ना काशी, अबकी बार अवधेश पासीह्ल और जातियों की इसी सोशल इंजीनियरिंग के कारण बीजेपी फैजाबाद में चुनाव हार गई. जबकि लल्लू सिंह के खिलाफ वर्ष 2014 और 2019 से ही माहौल बना था, लेकिन मोदी योगी के नाम लोग जीताते आ रहे थे। इस बार उनके खिलाफ लोगों में जबरदस्त नाराजगी थी और स्थानीय नेता भी चाहते थे कि इस बार बीजेपी इस सीट से अपने उम्मीदवार को बदले लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तो परिणाम कहां से अच्छा हो पाता। जबकि सांसद अवधेश प्रसाद एक मजबूत उम्मीदवार थे और वो 9 बार के विधायक भी रह चुके हैं, इसलिए इस मुश्किल सीट पर उनकी जीत सम्भव हो गई. खास बात यह है कि लल्लू सिंह का संविधान बदलने वाली बात दलितों को काफी नागवार लगा, परिणाम यह रहा कि इसका असर सिर्फ अयोध्या ही नहीं पूरे यूपी में देखने को मिला। दलित नेता राम प्रसाद का कहना है कि उनके लिए मायावती से बड़ा संविधान निमार्ता बाबा साहब है और जब उनके लिए उस साहब का ही अस्तित्व नहीं रहेगा जो दलितों को सम्मान दिलाएं तो वह भला कैसे कुछ किए बिना चुप बैठ जाता। इसीलिए दलितों ने यह कहते हुए सपा के पक्ष में गए कि बहन जी को तो हम लोग कभी भी उंचा कर सकते है, लेकिन इस वक्त बाबा साहब का संविधान बचाना जरुरी है। हालांकि अगर जिस वक्त लल्लू सिंह ने यह बयान दिया था कि बीजेपी को संविधान बदलने के लिए 400 सीटें चाहिए, उसी वक्त अगर उनके खिलाफ बड़ा एक्शन हो जाता तो ये स्थिति नहीं होती, लेकिन इस मामले में शिवाय सफाई के शीर्ष नेतृत्व द्वारा कोई एक्शन न किया जाना विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया और ये कहा कि बीजेपी अगर चुनाव जीती तो वो संविधान बदलकर आरक्षण खत्मकर देगी और इसी मुद्दे से पिछड़े और दलितों के वोट बीजेपी से अलग हो गए. सोशल मीडिया पर लगातार दावा किया जा रहा है कि 4 जून के नतीजों के बाद से अयोध्या में भगवान श्रीराम का मन्दिर सूना पड़ा

ना सही डिग्री ना एक्सपीरियंस, मरीजों की जान भी डाली खतरे में अब बख्शे नहीं जाएंगे फर्जी डेंटिस्ट

कुडीसीआई के साथ रजिस्टर्ड 270,000 डेंटिस्ट्स हैं और ये संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। फर्जी डेंटिस्ट्स पर कसा जाएगा शिकंजा देश में अब फर्जी डेंटिस्ट्स पर शिकंजा कसने वाला है। बढ़ती शिकायतों के बाद डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया आवश्यक चिकित्सा योग्यता के बिना डेंटिस्ट्स के रूप में काम करने वाले व्यक्तियों और ऐसे लोगों को रोजगार देने वाले क्लीनिकों पर शिकंजा कसने की योजना बना रही है। देश में डीसीआई के साथ रजिस्टर्ड 270,000 डेंटिस्ट्स हैं और ये संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। कानूनी कार्रवाई का दिया गया आदेश डेंटिस्ट बोर्ड ने स्टेट डेंटिस्ट परिषदों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी व्यक्ति या व्यवसाय के खिलाफ डेंटिस्ट एक्ट 1948 और अपडेटड डेंटिस्ट (आचार संहिता) विनियम 2014 का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करें और तुरंत काम बंद करने के आदेश जारी करें। ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है जो दशार्ता हो कि डीसीआई या राज्य परिषदों ने पहले ऐसे व्यवसायों के खिलाफ कोई कार्रवाई की हो। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, ह्लनियामक ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे बिना लाइसेंस वाले चिकित्सकों से डेंटिस्ट प्रक्रिया कराने से जुड़े खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाएं। यह भी अनिवार्य किया गया है कि की गई कार्रवाई और प्राप्त परिणामों की पूरी रिपोर्ट 30 दिनों के भीतर दी जाए। अप्रशिक्षित और अपंजीकृत कर्मियों का उपयोग करना डीसीआई के मान्यता प्राप्त उल्लंघनों में से एक है। प्यासी दिल्ली पर लड़ाई हुई सियासी आखिर क्यों हर साल जल संकट से जूझती है राजधानी? डीसीआई ने पिछले हफ्ते डेंटिस्ट परिषदों को सूचित किया कि उसने देखा है कि कुछ क्लीनिक मरीजों के घरों पर उपचार, दांतों की स्कैनिंग और एलाइनर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डीसीआई के आदेश में कहा गया है, ह्लकथित तौर पर ये सेवाएं उन व्यक्तियों द्वारा की जा रही हैं जो संबंधित राज्य डेंटिस्ट परिषदों के साथ डेंटिस्ट के रूप में रजिस्टर्ड नहीं हैं। आचार संहिता पर जोर इसमें कहा गया है कि अपंजीकृत चिकित्सक मरीजों की सुरक्षा और पेशेवर मानकों को खतरे में डालते हैं। इसमें कहा गया है, ह्वरोगी के स्वास्थ्य की सुरक्षा और पेशेवर मानकों का रखरखाव सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कदम का दंत चिकित्सकों ने स्वागत किया। ग्रेटर नोएडा स्थित जीआईएमएस के डेंटिस्ट डॉ. राहुल सिंह ने कहा, यह एक अच्छा कदम है और सेवा देने वाले अप्रशिक्षित डेंटिस्ट्स की जांच की जानी चाहिए। डेंटिस्ट्स के अंतर्गत कई नई सेवाएं उभर रही हैं जो कॉस्मेटिक सेवाओं की तरह हैं और लोगों के बीच इसकी काफी मांग देखी जा रही है।

संपादकीय

सिर्फ दूसरी पार्टी से हैं इसलिए, इंदिरा गांधी की तारीफ करते नहीं थक रहे बीजेपी नेता सुरेश गोपी

केरल से भाजपा के पहले सांसद और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया बताया और अब उस मामले पर सफाई दी है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता सुरेश गोपी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। केरल में बीजेपी का खाता खोलने वाले सांसद सुरेश गोपी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता इंदिरा गांधी को लेकर एक बयान दिया था। इसके बाद उन्होंने अपने बयान को लेकर सफाई पेश की। गोपी ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि इंदिरा गांधी कांग्रेस से हैं, मैं उन्हें स्वतंत्रता के बाद उनके मरने तक भारत का वास्तविक आर्किटेक्ट कहने से पीछे नहीं हट सकता। बीजेपी सांसद ने कहा कि सुरेश गोपी ने कहा कि मेरे पिता के परिवार का संबंध कांग्रेस पार्टी से था और मेरी मां के परिवार ने केरल में जनसंघ के गठन के लिए काम किया। मैं खुद भी एसएफआई से जुड़ा हुआ था। इतना ही नहीं उन्होंने आगे कहा कि एसएफआई पार्टी का साथ छोड़ने की वजह राजनीतिक नहीं थी। यह फैसला मैंने अपनी भावना के आधार पर ही लिया था। गोपी ने कहा कि मैं सनातन धर्म का पालन करता हूं। इंदिरा गांधी वाले बयान पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का संबंध कांग्रेस पार्टी से है इसलिए मैं उन्हें स्वतंत्रता के बाद उनकी मृत्यु तक भारत का वास्तविक आर्किटेक्ट कहने से पांव पीछे नहीं खींच सकता हूं। केरल के सांसद ने इंदिरा गांधी को बताया मदर ऑफ इंडिया केरल से भाजपा के पहले सांसद और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया बताया था। साथ ही केरल के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कांग्रेस के के. करुणाकरण और लेफ्ट के ईके नयनार को अपना राजनीतिक गुरु कहा। गोपी 12 जून को पुन्नकुन्नम के करुणाकरण के स्मारक स्थल मुरली मंदिरम गए थे। यहां पर मीडिया से बात

करते हुए उन्होंने कहा कि देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मैं मदर ऑफ इंडिया मानता हूं। गोपी ने आगे कहा कि मैं अपने राजनीतिक गुरु को श्रद्धांजलि देने आया हूं। वो एक साहसी सीएम थे। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कहा कि उनके दौरे का कोई भी राजनीतिक मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। इससे संबंधित खबर यहां क्लिक कर पढ़ें गोपी को मिला जीत का इनाम बता दें कि अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने हाल ही में खत्म हुए लोकसभा इलेक्शन में त्रिशूर लोकसभा सीट से सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के उम्मीदवार वी.एस. सुनील कुमार को 74,686 वोटों से हराया। उन्होंने केरल से सीट जीतकर अपना एक अलग ही रिकॉर्ड कायम किया है। वह केरल के एकमात्र बीजेपी सांसद बन गए हैं। गोपी को इस जीत का काफी फायदा भी मिला है। उनको प्रधानमंत्री मोदी की टीम में जगह मिली है। गोपी ने मंगलवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री के साथ-साथ पर्यटन मंत्रालय का कार्यभार भी संभाला।

आस्था...

इस दिन से शुरू हो रहा है चातुर्मास, अगले 4 माह नहीं होंगे मांगलिक कार्य, जानें और महत्व...

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ या फिर मांगलिक कार्य को करने से पहले शुभ और अशुभ मुहूर्त का जरूर ध्यान रखा जाता है। ऐसे ही साल में चार माह ऐसे आते हैं जिसमें हर तरह के मांगलिक कार्य यानी शादी-विवाह, मुंडन-छेदन, वधु विदाई जैसे अन्य 16 संस्कारों को करने की मनाही होती है। इन चार माह को चातुर्मास कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु भगवान शिव को सृष्टि के संचार का काम सौंप कर क्षीर सागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और कार्तिक मास में पड़ने वाली देवउठनी एकादशी को वह जागते हैं और इसके साथ एक बार फिर से मांगलिक काम शुरू हो जाते हैं। आइए जानते हैं चातुर्मास की तिथि लेकर हर एक बात कब से कब तक चातुर्मास 2024 हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी देवशयनी एकादशी से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी तक चातुर्मास होता है। ऐसे में इस साल देवशयनी एकादशी 17 जुलाई 2024 से आरंभ हो रही है। इसके साथ ही देवउठनी एकादशी 12 नवंबर 2024 तक है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 16 जुलाई को शाम 08 बजकर 33 मिनट से शुरू हो रही है, जो 17 जुलाई को शाम 09 बजकर 02 मिनट पर समाप्त होगी। 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 11 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 46 मिनट से लेकर 12 नवंबर को संध्याकाल 04 बजकर 04 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। इसके साथ ही 13 नवंबर से शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य आरंभ हो जाएंगे। निर्जला एकादशी की तिथि को लेकर बड़ा असमंजस, जानें सही तारीख और महत्व चातुर्मास के दौरान होगी इन देवी-देवता की पूजा चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और सृष्टि के संचार का कार्यभार भगवान शिव संभालते हैं। इसलिए इन महीनों में विष्णु जी के अलावा शिव जी और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है। 365 दिनों बाद मिथुन राशि में बना बुधादित्य योग, ये राशियां, इन 3 राशियों की पलटेगी किस्मत, हर काम में मिलेगी सफलता चातुर्मास के दौरान न करें ये काम चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। ऐसे में देवउठनी एकादशी तक किसी भी प्रकार के मांगलिक कामों के साथ कुछ शुभ कामों को करने की मनाही होती है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।

मेष: आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार के साथ रिश्ते-नातों में नयी जान डालने का सही समय है। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ करके आप अपनी जिंदगी में सुधार ला सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो।

वृषभ: प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफा मिल सकता है। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा।

मिथुन: आज आप ऊर्जा से लबरेज होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-खासा फायदा हासिल कर सकते हैं। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। रोमांस के लिए अच्छा दिन है। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफा दें। आज खाली वक्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कर्क: अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने फैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। मुहब्बत और रोमांस आपको खुशमिजाज रखेगे। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख टिप्पणी करने से बचिए।

सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सिंह: आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी। रोमांटिक मुलाकात आपकी खुशी में तड़के का काम करेगी। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ खास देखने को मिल सकता है।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज कर सकता है। वे लोग खुशकिस्मत हैं जो अपने गुस्से पर काबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको खत्म करे, आप उसे खत्म कर दें। खास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नजर आए और विशेष हो। पारिवारिक जिम्मेदारियों को न भूलें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाकात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की सराहना होगी।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते।

तुला: आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा। आज वे कपड़े न पहनें जो आपके प्रिय को पसंद न हों, नहीं तो मुमकिन है कि वो आहत महसूस करे। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अपने जीवनसाथी को सरप्राइज देते रहें, नहीं तो वह खुद को आपके जीवन में महत्वहीन समझ सकता है।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

वृश्चिक: अपने ऊर्जा-स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की जरूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान-फरामोशी इसे तार-तार कर देती है।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे।

धनु: अपनी सेहत का खयाल रखें। केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका खयाल रखते हैं। आज आपकी मुस्कान बेमानी है, हँसी में वो खनक नहीं है, दिल धड़कने में आनाकानी कर रहा है; क्योंकि आप किसी खास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी।

मकर: स्वास्थ्य का ध्यान रखें और चीजों को व्यवस्थित करें। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। कार्यक्षेत्र में आप खुद को खास महसूस करेंगे। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शौकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा।

कुंभ: आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। अपने प्रिय को नजरअंदाज करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। चीजें कार्यक्षेत्र में बेहतर नजर आती हैं। पूरे दिन आपका मिजाज बढ़िया रहेगा। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची।

मीन: कॉफी पीना छोड़ दें, खास तौर पर दिल के मरीज। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीजें दिलाएगी। पुरानी यादों को जेहन में जिंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताजा करने का वक़्त है। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

बीए करने के बाद कॅरियर विकल्प

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफ़ाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

सरकारी नौकरियां

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है। छात्र बीए के बाद क्लर्क से लेकर अधिकारी रैंक तक विभिन्न नौकरियों की तैयारी कर सकते हैं जैसे कि -

- यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग)
- एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग)
- सीडीएस (सिविल डिफेंस सर्विसेज)
- भारतीय रेलवे (आरआरबी परीक्षा)
- बैंकिंग परीक्षा
- भारतीय आयुध निर्माणी सेवा (आईओएफएस)
- भारतीय संचार वित्त सेवाएं (आईसीएफएस)
- भारतीय डाक सेवा (आईपीओएस)
- भारतीय रेलवे
- रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ)

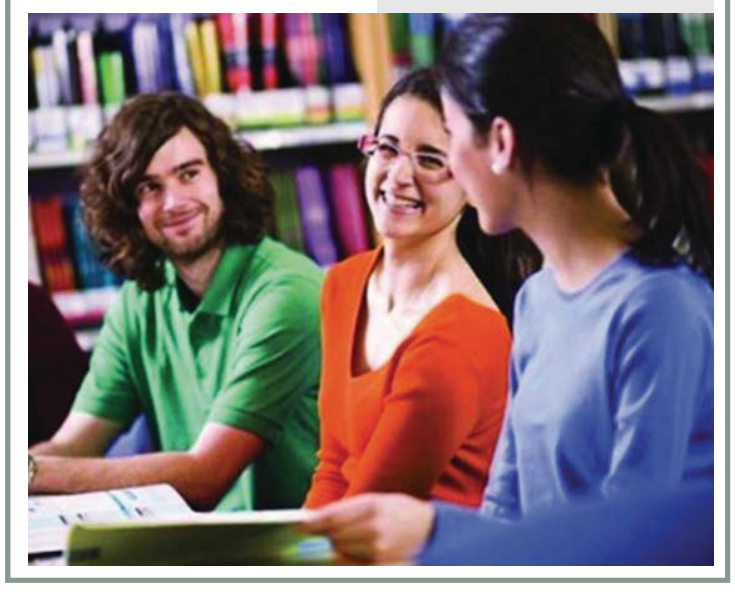

बाजार में कई नए उत्पाद आते ही लोगों के दिलो-दिमाग पर छा जाते हैं। कई ब्रांड्स के तो स्लोगन भी आपको याद होंगे। दरअसल, इस सबके पीछे प्रोडक्ट मैनेजमेंट की बड़ी भूमिका है।

प्लानिंग स्किल कमाल की है, तो इस क्षेत्र में बनाएं करियर

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, प्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रैंड की समझ भी जरूरी है।

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नाई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2016 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 40 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरूआती दौर में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

फ्रीलांसर बनने से पहले ये 5 सवाल खुद से पूछें

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरु करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातों आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद को एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फ्रीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं ?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे ?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरु करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

टैलेंट को तलाशते हुए बनाएं शानदार करियर

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे- एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स ऐंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फ्रैंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

- जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- एमिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुम्बई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट, मुम्बई
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इंदौर
- यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
- बम्बई यूनिवर्सिटी, मुम्बई
- मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इम्फाल

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्वपूर्ण स्थान होता है अत: इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

गंगा पाप विनाशिनी जैसे सुंदर भजनों को गाकर आध्यात्मिकता की ओर जोड़ने का संदेश दिया

♦भारत टाइम्स♦

वाराणसी। मयार्दा इस देश की पहचान है।गंगा पूजा है धरम दीन है, ईमान है।गंगा दशहरा की शुभ पर्व पर कलाकार प्रियंका सहवाल ने गंगा पाप विनाशिनी *जैसे सुंदर भजनों को गाकर भौतिकता से आध्यात्मिकता की ओर जोड़ने का संदेश दिया। काशी रस के रूप में काशीकेय संस्कृति के नवीन स्वरूप को जन सामान्य से अवगत कराने एवं भावी पीढ़ी को संस्कारित करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी की अप्रतिम पहल पर सुबह ए बनारस के अंतर्गत काशी रस जैसे अद्भुत कार्यक्रम को प्रत्येक रविवार को संचालित किया जाता है।रविवार को काशी रस कार्यक्रम में प्रियंका सहवाल ने शास्त्रीय एवम उपशास्त्रीय शैली में भजनों को सुना कर दर्शकों के हृदय को मंत्र मुग्ध कर दिया। संगत कलाकार के रूप में तबले पर श्री पंकज राय एवं हारमोनियम पर श्री मोहित साहिनी उपस्थित रहे। कलाकार को प्रमाण पत्र श्रीमती मंजू गुप्ता ने प्रदान करने के साथ उनकी संगीत साधना की भी प्रशंसा की । धन्यवाद ज्ञापन श्याम कुमार केसरी ने किया। काशी रस कार्यक्रम का संयोजन सुबह ए बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा जी ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केसरी ने किया । इस अवसर पर डॉ शनिश ज्ञावली, डॉ संदीप राय केवले, डॉ प्रेम नारायण सिंह , कृष्ण मोहन पांडे, सहित भारी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

पंकज माली एबीवीपी ज़िला संयोजक मनोनीत

♦भारत टाइम्स♦

भीनमाल (सतीश सुंदेशा)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जोधपुर प्रांत का प्रांत अभ्यास वर्ग देवनगरी सिरोही में 12 जून से 15 जून तक आदर्श विद्या मंदिर, बालिका सिरोही में आयोजित हुआ। अभ्यास वर्ग में राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रफुल अकांत, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अशिवनी, प्रांत संगठन मंत्री पूरण सिंह शाहपुरा, प्रांत अध्यक्ष डॉड्ड हीराराम व प्रांत मंत्री श्याम शेखावत ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों, अभाविप सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार जैसे अलग-अलग विषयों पर सत्र लेते हुए चर्चा करते हुए आगामी योजना बनाई गई। इसी के साथ आगामी सत्र हेतु नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें भीनमाल निवासी पंकज कुमार माली को ज़िला संयोजक पर मनोनीत किया, पंकज माली इससे पूर्व में एसएफएस सह-संयोजक जोधपुर प्रांत , नगर सह मंत्री, नगर सोशल मीडिया संयोजक जैसे दायित्व का निर्वहन कर चुके है। पंकज माली ने कहा कि संगठन द्वारा दी गई ज़िम्मेदारी को निष्ठा के साथ पूरा करने के साथ साथ संगठन के कार्यों को और अधिक गति से आगे बढ़ाने का भरपूर प्रयास भी करूँगा।

बिजली विभाग ने पेड़ों की कटाई-छंटाई शुरू की:मानसून की तैयारी: तारों के ऊपर से गुजर रहे पेड़ों की डालियों को छांटा जा रहा है, ताकि बारिश में तार टूटने की समस्या न

♦भारत टाइम्स♦

बांजाकुड़ी (रजत टाक)। बांजाकुड़ी क्षेत्र में मानसून की दस्तक देने से पहले बिजली विभाग ने रविवार को बांजाकुड़ी गांव में तारों पर फैले पेड़ों की कटाई-छंटाई शुरू कर दी है विभाग के लाइनमैन रामपाल राठौर के अनुसार तारों के ऊपर से गुजर रही पेड़ों की डालियों को काटा छांटा जा रहा है। आंधी पानी से ये डालियां तारों को नुकसान न पहुंचा सकें ऐसे में फॉल्ट की दिक्कतें नहीं आ सकेंगी और तार भी सुरक्षित हो जाएंगे। बता दें पिछले माह भर से अंधड़ या मामूली बारिश होने पर बिजली गुल की समस्या बनी हुई है इससे लोगों को गर्मी की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है बरसात के दिनों में आंधी पानी आने पर अक्सर बिजली गुल हो जाती है और पूरी पूरी रात बिजली गायब रहती है। इस समस्या को देखते हुए इस बार बिजली विभाग ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी है आमतौर पर पेड़ों के पास से गुजरने वाले तार डालियों में फंस कर जाते है, जिससे घंटों विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। कभी कभी ऐसा भी हुआ कि रात के समय कई घंटे बिजली बंद से लोगों को परेशान होना पड़ा है। बारिश और हवा चलने के बाद बिजली बंद होने से जनता परेशान है। बिजली विभाग तमाम प्रयासों के बावजूद विद्युत की आपूर्ति करने में नाकाम साबित हो रही है। हालांकि इसके पीछे गर्मी की वजह से ट्रांसफार्मर में अत्यधिक लोड का हवाला दिया जा रहा है। विभाग मेंटनेंस के नाम पर बिजली बंद करती है। लेकिन इस भीषण गर्मी में इससे लोगों को दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग इससे ज्यादा परेशान होते है। विद्युत विभाग से मिली जानकारी अनुसार, लोग वन केवी कनेक्शन लेने के बाद उसकी क्षमता से अधिक विद्युत का उपयोग कर रहे हैं। सिंगल फेस में कई जगहों पर एसी का भी उपयोग किया जा रहा है। जिसकी वजह से विभाग को विद्युत आपूर्ति की सही जानकारी नहीं मिल पाती लिहाजा अत्यधिक विद्युत खपत की वजह से कई जगहों पर फ्यूज उड़ने या 11 केवी लाइन में फॉल्ट आने से उसे ढूंढने में काफी समय लग जाता है। वहीं विभाग में पर्याप्त संख्या में लाइनमैन की कमी के कारण भी विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर उसे दोबारा चालू करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

माहेश्वरी समाज की महेश नवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

♦भारत टाइम्स♦

चितौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। माहेश्वरी समाज के उत्पति दिवस पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकली। नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राकेश मंत्री ने बताया कि सांय 04.15 पर माहेश्वरी पंचायती भवन से प्रारम्भ होकर गोल प्याउ, सुभाष चैक, सहकार चौराहा, राणा सांगा बाजार, सेतु मार्ग होती हुई गणगौर गार्डन पहुंची जहॉ भगवान महेश की महाआरती कर महाप्रसाद का आयोजन किया गया। शोभायात्रा प्रभारी बद्रीनारायण तोषनीवल, ओमप्रकाष खटोड़, ओमप्रकाश बजाज, मेघराज बिड़ला, कृष्णगोपाल मालू, लक्ष्मीनारायण डाड, भगवान लाल काबरा, राधेश्याम आगाल ने बताया कि शोभायात्रा में आगे सजधज कर घोड़े चल रहे थे उसके पीछे बेण्ड़ के साथ पुरूष वर्ग नाचते हुए सफेद वस्त्र में चल रहे थे, इनके पीछे महिलाएँ लाल रंग की चुंनड साड़ी में भगवान महेश के भजनों पर गाती, झुमती हुई चल रही थी तत्पश्चात आखिर में बग्गी में भगवान महेश की तस्वीर थी। प्रभारी भगवानदास झंवर, कृष्णगोपाल तोषनीवाल, शिवलाल पोरवाल, बालकिशन लढ्ढा, सम्पत लाल कालिया, जगदीष सोमाणी, कालुलाल न्याति, चतरूलाल न्याति, रमेकी लढ्ढा, मुरली बसेर, भगवतीप्रसाद पोरवाल, सत्यनारायण

तोषनीवाल, ओमप्रकाश तोषनीवाल ने बताया कि शोभायात्रा में मुख्य आकर्षक उज्जैन से आई बाबा महाकाल की झांकी मुख्य केन्द्र थी। प्रभारी जमनालाल सोमाणी, रामनिवास तोषनीवाल, प्रहलाद चेचाणी, विनोद सोनी, विकास डागा, अर्पित काबरा, उषा रांदड़, गीता खटोड़, कोशल्या आगाल, साधना डागा, ललिता मालु, शान्ता राठी, मीना भण्डारी, चन्द्रकला सोमाणी, विमला गट्टानी, संगीता कंलत्री, आशा मालु, संजु लढ्ढा ने बताया कि शोभायात्रा के मार्ग विभिन्न सामाजिक संगठनों, शहर की विभिन्न ईकाईयों, जैन समाज, विभिन्न प्रतिष्ठान, व्यक्तिगत स्तर पर जलपान एंव अल्पाहार दिया गया। शोभायात्रा के गणगौर गार्डन पहुंचने पर समाज के वरिष्ठजनों द्वारा महाआरती की गई तत्पश्चात स्नेह भोज का आयोजन हुआ जिसमें माहेश्वरी समाजजन उपस्थित रहे। विभिन्न प्रतियोगिता में विजेताओ को सम्मानित किया गया जिसमे नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राकेश मंत्री, डा. सी.ए. अर्जुन मुन्दडा, मनोहर तोषनीवाल, कैलाश तोषनीवाल, अशोक समदानी, अशोक काबरा, सुरेश चेचाणी, भरत जागेटिया, महेश डागा, मुकेश सोमाणी, राकेश खटोड़, नवरोत्तम हेडा, निलेश बल्दवा, मुकेश आगाल, ओमप्रकाश तोषनीवाल, जिला माहेश्वरी मृदल सेवा समिति के प्रवीण लढ्ढा, अखिलेश बसेर, अमित सोमानी, गौरव चेचाणी, विनोद न्याति, सत्यनारायण काबरा, कुन्तल तोषनीवाल, कृष्णा समदानी, चंदा नामधर, ऋतु सोडानी, डिम्पल बिड़ला, जया तोषनीवाल, शीला भराड़िया सहित कई पदाधिकारी एंव समाजजन उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पिपल्या जोधा में किया श्रमदान

♦भारत टाइम्स♦

संवाददाता महेश मरेठा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना अंतर्गत विकासखण्ड मल्हारगढ़ में म.प्र.शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पिपल्या जोधा ग्राम पंचायत परिसर में स्वच्छता हेतु श्रमदान कर पौधरोपण किया गया।जिसके बाद गांव से श्री मंशापूर्ण बालाजी मंदिर तक जल कलश यात्रा निकाली गयी। जिसमे जनपद प्रतिनिधि सभापति श्री दिलीप सिंह बोराना ,सरपंच प्रतिनिधि श्री प्रहलाद सिह कछावा ,सचिव श्री रामप्रसाद नागवार ,इंजीनियरिंग शशांक रमन,प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष खुमान सिह राठौड़,नवांकुर संस्था- हनुमान सामाजिक सेवा,समिति चिल्लोद पिपल्या प्रतिनिधि विजय प्रकाश बैरागी,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति काल्याखेड़ी गुजरान अध्यक्ष बालमुकुंद मालवीय, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रतन पिपल्या अध्यक्ष भागीरथ पाटीदार,नागुसिह, हीरालाल सेन,उम्मेद सिंह,प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं ग्रामवासियों द्वारा जनसहभागिता से श्रमदान किया गया।जिसके बाद गंगा दशहरा का आयोजन किया गया जिसमे बालाजी मंदिर पिपल्या जोधा पर भजन मण्डली,एवं हवन के आयोजन के बाद महाआरती की गई।

बरखेड़ा पंथ में गंगाजल संवर्धन अभियान कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया

♦भारत टाइम्स♦

संवाददाता महेश मरेठा। मल्हारगढ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बरखेड़ा पंथ में गंगाजल संवर्धन अभियान कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत सरपंच अभिमन्यु कारपेंटर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान समृद्ध एवं स्वस्थ मध्य प्रदेश के लिए एक संकल्प हैं आइए हम सभी साथ मिलकर इस अभियान में सहभागिता करें और सुरक्षित भविष्य के लिए स्वच्छ पर्यावरण बनाएं। हम सब पानी बचाने की बात हम कर रहे है। पानी व्यर्थ न बहने दें। पानी बचाना पडेगा जीवन भी सुरक्षित करना होगा। यह हम सभी की सामुहिक जिम्मेदारी है। एक व्यक्ति को जीवभर में 5 पेड़ इतनी आक्सीजन की आवश्यकता होती है तो हम 1 पेड़ तो लगा ही सकते है। हर व्यक्ति एक पौधा लगाने का लक्ष्य बना ले। समय समय पर उसे पानी पिलाए। तो 3 से 4 साल में वह पौधा पेड़

बन जाएगा और फिर शुद्ध हरियाली भी मिलेगी और आक्सीजन भी। इस अवसर पर सचिव भुवानी शंकर बोराना साहयक सचिव रघुवीर जयपाल पंच सुनील चडावत महेश मरेठा ईश्वर लाल पाटीदार भागचंद लुवाणिया सहित ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर, रतलाम पुलिस द्वारा कांबिंग गश्त कर, गुंडे बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध की प्रभावी कार्यवाही

♦भारत टाइम्स♦

रतलाम / जगदीश परमार। रतलाम शहर में पुलिस अधीक्षक द्वारा अलग अलग टीम बनाकर कांबिंग गस्त हेतु निर्देश देकर किया रवाना जिले के सभी अनुभागो में सीएसपी/एसडीओपी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम बनाकर की गई कार्यवाही देर रात्रि में कांबिंग गश्त में गुंडे बदमाशों एवं अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त रहने वाले असामाजिक तत्वों सहित लगभग कुल 81 हिस्ट्री शीटर गुंडा बदमाशो को चेक किया गया 134 से ज्यादा वारंटों को कराया गया तामील, जिसमें लंबे समय से फरार-- 02-फरारी, 16-स्थाई, 115-गिरफ्तारी वारंट किए तामील। 01 इनामी बदमाश भी आया पुलिस की गिरफ्त में।क्षेत्र के अपराधिक प्रवृत्ति के 53 जिलाबदर बदमाशों सहित कई गुंडे/बदमाशों को भी किया गया चेक । अपराधियों को पकड़कर,डोजियर भरवा कर अपराध नहीं करने की दी हिदायत।

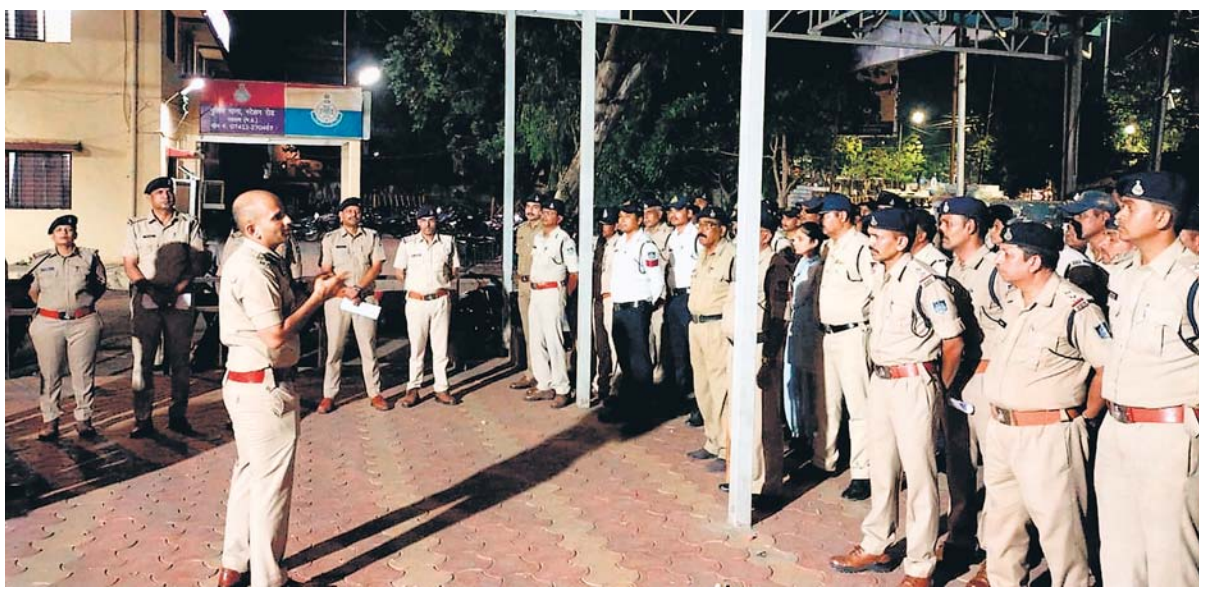

जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस महानिदेशक महोदय पुलिस मुख्यालय भोपाल के निदेर्शों के अनुक्रम में, पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राहुल कुमार लोढा की अगुवाई में, रतलाम जिले के सभी अनुभागों में सीएसपी/ एसडीओपी के नेतृत्व में, दिनांक 15-16 जून की दरमियानी रात से सुबह तक रतलाम जिले के सभी अनुभागों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राकेश खाखा के मार्गदर्शन में अभी अनुभागों के सीएसपी/ एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों सहित जिले के पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों ने सभी थाना क्षेत्रों में गुंडे बदमाशों असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राहुल कुमार लोढा द्वारा स्वयं नगर पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अभिनव बारंगे एवम शहर के चारो थाना प्रभारी एवं पुलिस बल की ब्रीफिंग कर कॉम्बिंग गस्त हेतु रवाना किया गया। जिले भर की कार्यवाही में असामाजिक तत्वों की निगरानी करते हुए *लगभग 81 हिस्ट्री शीटर गुंडा बदमाशों, असामाजिक तत्वों एवम 53 जिलाबदर को चैक किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुल 134 से ज्यादा वारंटों को कराया गया तामील, जिसमें लंबे समय से फरार-- 01 इनामी, 02 फरारी, 16-स्थाई, 115-गिरफ्तारी वारंट भी तामील करवाए गए। इस दौरान पकड़े गए बदमाशों को अपराध ना करने की हिदायत देते हुए उनसे डोजियर भी भरवाए गए हैं। तलाम पुलिस द्वारा गुंडे/बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कोकिंदा पहाड़ पर तहसीलदार ने अपनी टीम के साथ सीट बॉल लगाये एवं बिखेरे

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संपूर्ण जिले में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण हेतु सीड बॉल लगाए जा रहे है !अभी तक जिले में लगभग 17 लाख 35 हजार 570 सीड बॉल लगाए जा चुके हैं। इसी के चलते ग्राम पंचायत मोरझरी एटलेन के पास कोकिंदा पहाड़ पर तहसीलदार थांदला अनिल बघेल, एएन एम श्रीमती विघ्या मावी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीड बॉल लगाये एवं बिखरे गए यह कार्य अभी निरंतर जारी रहेगा !

आज ईद-उल-अजहा पर विशेष - अगर यकीन तो जरूर कबूल होगी कुर्बानी के बदले दुआ

ईद-उल-अजहा के पर्व को बलिदान का प्रतीक माना गया है।

♦भारत टाइम्स♦

सुनील बाजपेई। विश्व का लगभग कोई भी देश ऐसा नहीं है,जहां बलि / कुर्बानी का अपना धार्मिक कारण ना हो। कुछ एक पंथ समुदाय या धर्म को छोड़ दें तो बलि और कुर्बानी की परंपरा पुरातन की पुष्टि करती है। इसी क्रम में मुस्लिम समुदाय में बकरीद में कुर्बानी की परंपरा है। इस समुदाय के लोगों का मानना है कि अगर यकीन है तो बकरीद या ईद-उल-अज़हा कुर्बानी से दुआ अवश्य ही कबूल होती है। कुल मिलाकर मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्योहारों में से एक है। ईद-उल-अजहा के पर्व को बलिदान का प्रतीक माना गया है। इसलिए इस दिन इस्लाम धर्म में कुर्बानी का खास महत्व होता है। इस्लामिक कैलेंडर का महीना जिलहिज्जा के चांद दिखने पर ईद-उल-अजहा (अदहा) यानी बकरी ईद की तारीख तय हो जाती है। यह त्योहार कुर्बानी और त्याग के प्रतीक रूप में हर साल मनाया जाता है। इस दिन 'हलाल जानवर' की कुर्बानी देने की प्रथा है। यह एक जरिया है जिससे बंदा अल्लाह की रजा हासिल करता है। बेशक अल्लाह को कुर्बानी का गोश्त नहीं पहुंचता है, बल्कि वह तो केवल कुर्बानी के पीछे बंदों की नीयत को देखता है। अल्लाह को पसंद है कि बंदा उसकी राह में अपना हलाल तरीके से कमाया हुआ धन खर्च करे। कुर्बानी का सिलसिला ईद के दिन को मिलाकर तीन दिनों तक चलता है। इस बारे में धार्मिक अवधारणा जिस आशय की जानकारी देती है उसके मुताबिक इब्राहीम अलैय सलाम एक पैगंबर गुजरे हैं, जिन्हें ख्वाब में अल्लाह का हुक्म हुआ कि वे अपने प्यारे बेटे इस्माईल (जो बाद में पैगंबर हुए) को अल्लाह की राह में कुर्बान कर दें। यह इब्राहीम अलैय सलाम के लिए एक इम्तिहान था, जिसमें एक तरफ थी अपने बेटे से मुहब्बत और एक तरफ था अल्लाह का हुक्म। इब्राहीम अलैय सलाम ने सिर्फ और सिर्फ अल्लाह के हुक्म को पूरा किया और अल्लाह को राजी करने की नीयत से अपने लख्ते जिगर इस्माईल अलैय सलाम की कुर्बानी देने को तैयार हो गए। अल्लाह रहीमो करीम है और वह तो दिल के हाल जानता है। जैसे ही इब्राहीम अलैय सलाम छुरी लेकर अपने बेटे को कुर्बान करने लगे, वैसे ही फरिश्तों के सरदार जिब्रील अमीन ने बिजली की तेजी से इस्माईल अलैय सलाम को छुरी के नीचे से हटाकर उनकी जगह एक मेमने को रख दिया। इस तरह इब्राहीम अलैय सलाम के हाथों मेमने के जिब्हा होने के साथ पहली कुर्बानी हुई। इसके बाद जिब्रील अमीन ने इब्राहीम अलैय सलाम को खुशखबरी सुनाई कि अल्लाह ने आपकी कुर्बानी कुबूल कर ली है और अल्लाह आपकी कुर्बानी से राजी है। बेशक अल्लाह दिलों के हाल जानता है और वह खूब समझता है कि बंदा जो कुर्बानी दे रहा है, उसके पीछे उसकी क्या नीयत है। जब बंदा अल्लाह का हुक्म मानकर महज अल्लाह की रजा के लिए कुर्बानी करेगा तो यकीनन वह अल्लाह की रजा हासिल करेगा, लेकिन अगर कुर्बानी करने में दिखावा या तकब्बुर आ गया तो उसका सवाब जाता रहेगा। कुर्बानी इज्जत के लिए नहीं की जाए, बल्कि इसे अल्लाह की इबादत समझकर किया जाए। अल्लाह हमें और आपको कहने से ज्यादा अमल की तौफीक दे।

अब अगर शरीयत की बात करें तो शरीयत के मुताबिक कुर्बानी हर उस औरत और मर्द के लिए वाजिब है, जिसके पास 13 हजार रुपए या उसके बराबर सोना और चांदी या तीनों (रुपया, सोना और चांदी) मिलाकर भी 13 हजार रुपए के बराबर है।

मुस्लिम धार्मिक परंपरा के मुताबिक

ईद-उल-अजहा पर कुर्बानी देना वाजिब है। वाजिब का मुकाम फर्ज से ठीक नीचे है। अगर साहिबे हैसियत होते हुए भी किसी शख्स ने कुर्बानी नहीं दी तो वह गुनाहगार होगा। जरूरी नहीं कि कुर्बानी किसी महँगे जानदार की की जाए। हर जगह जामतखानों में कुर्बानी के हिस्से होते हैं, आप उसमें भी हिस्सेदार बन सकते हैं। अगर किसी शख्स ने साहिबे हैसियत होते हुए कई सालों से कुर्बानी नहीं दी है तो वह साल के बीच में सदका करके इसे अदा कर सकता है। सदका एक बार में न करके थोड़ा-थोड़ा भी दिया जा सकता है। सदके के जरिये से ही मरहूमों की रूह को सवाब पहुंचाया जा सकता है।

कोई दूसरा भूख ना रहे इसीलिए शरीयत

कुर्बानी के गोश्त के तीन हिस्से करने की सलाह देती है। जिसमें एक हिस्सा गरीबों में तकसीम किया जाए, दूसरा हिस्सा अपने दोस्त अहबाब के लिए इस्तेमाल किया जाए और तीसरा हिस्सा अपने घर में इस्तेमाल किया जाए। तीन हिस्से करना जरूरी नहीं है, अगर खानदान बड़ा है तो उसमें दो हिस्से या ज्यादा भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। गरीबों में गोश्त तकसीम करना मुफीद है। इस सब के पीछे धार्मिक मंशा के अनुरूप कुर्बानी के बदले .दुआ कबूल होने का ही यकीन है -और इस यकीन पर ही यकीन अल्लाह के हुक्म और उसकी इबादत की सार्थकता पर भी यकीन दिलाता है।

ट्रेनों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करते पकड़े गए यात्रियों से वसूले गए 35 हजार जुर्माना

वाराणसी मंडल में ट्रेन यात्रियों की सुविधाओं हेतु विशेष चेकिंग अभियान चलाया

♦भारत टाइम्स♦

(शीतल निर्भीक) वाराणसी। भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर ऑपरेशन संवेदना चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गर्मी से राहत के लिए भीड़ प्रबंधन, जल सेवा, इकोनॉमी मिल, और रेल नियमों का कड़ाई से पालन कर भीड़ नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।वाराणसी मंडल में यात्री सुविधाओं के लिए चलाए गए इस विशेष अभियान में ट्रेनों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करते पकड़े गए यात्रियों से 35 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। रेलवे के इस अभियान से एक तरह जहां रिजर्वेशन बोगी में बैठे आरक्षित यात्रियों को राहत मिली वहीं अनाधिकृत रूप ट्रेनो में यात्रा कर यात्रियों में हलचल मची रही। इस दौरान यात्रियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए मंडल कार्यालय के नियंत्रण कक्ष में एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया गया है, जिसमें अधिकारियों की 24×7 ड्यूटी लगाई गई है। यह अधिकारी यात्रियों की समस्याओं की निगरानी और निस्तारण में जुटे हुए हैं। **अनधिकृत यात्रियों पर सख्त कार्राधिकृत :** कल सहायक वाणिज्य प्रबंधक पुष्कर सिंह रावत के नेतृत्व में गाड़ी संख्या 14005 के

वातानुकूलित कोचों में अनधिकृत यात्रियों को हटाने के लिए उत्तर रेलवे के 6 टीटीई और पूर्वोत्तर रेलवे के 5 टीटीई एवं रेलवे सुरक्षा बल की 10 सदस्यीय टीम के साथ लिच्छवी एक्सप्रेस के सभी एसी कोच में चेकिंग की गई। इस कार्रवाई में सभी अनधिकृत यात्रियों को जनरल कोच में भेजा गया। इसके साथ ही वाराणसी मंडल के टिकट जांच कर्मचारियों ने रेलवे सुरक्षा बल टीम के साथ ज्ञानपुर रोड स्टेशन तक अनधिकृत यात्रियों को वातानुकूलित कोचों में प्रवेश करने से रोका। **औड़िहार स्टेशन पर बस रेड अभियान:** औड़िहार स्टेशन पर बस रेड अभियान चलाया गया, जिसमें अनाधिकृत और बिना टिकट यात्रियों की धर-पकड़ की गई। गाड़ी संख्या 05169, 05427 व 15111 में बस रेड टीम द्वारा सघन टिकट जांच की गई, जिसमें 138 यात्री बिना टिकट के पाए गए। इनमें से 109 यात्रियों को ट्रेन में ही टिकट बनाकर छोड़ दिया गया, जबकि शेष 29 यात्रियों को बस में बैठाकर वाराणसी सिटी लाकर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया गया। इसमें से 23 यात्रियों ने जुर्माना जमा किया, जबकि शेष 6 यात्रियों का ट्रायल किया गया। पकड़े गए यात्रियों से रेल किराए और जुर्माने के रूप में कुल 35100 रुपये वसूल किए गए। इस अभियान में कुल 20 टीटीई और रेलवे सुरक्षा बल के 6 जवान शामिल थे। यह टिकट जांच अभियान 30 जून 2024 तक विशेष रूप से चलाया जाएगा। **यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क:** ग्रीष्मकाल में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़भाड़ के नियंत्रण की व्यापक व्यवस्था के तहत यात्रियों की सुविधा हेतु हेल्प डेस्क लगाए गए हैं। ये हेल्प डेस्क ञ्ञस बुकिंग काउंटरों पर भीड़ नियंत्रण के लिए यात्रियों को कतारबद्ध करने, मोबाइल एप के माध्यम से टिकट बुक करने में सहयोग के साथ-साथ त्त्क्र कोड से भुगतान कर टिकट शीघ्र प्राप्त करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। इसके साथ ही ATVM मशीन से स्वयं अपना टिकट बनाने हेतु यात्रियों को जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे अपने संबंधित डिब्बों में केवल वैध टिकट के साथ यात्रा करके रेलवे प्रशासन की मदद करें।

इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी।

अमृत भारत योजना से बदलेगी कायाकल्प

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन का 31 करोड 91 लाख रुपए की लागत से होगा पुनर्विकास का कार्य

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में 09 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत के कार्य कराए जा रहे हैं।

♦भारत टाइम्स♦

(शीतल निर्भीक) जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए 31 करोड 90 लाख रुपए की लागत से मास्टर प्लान तैयार किया गया है तथा चरणबद्ध तरीकों से इन कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है । रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में 09 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत के कार्य कराए जा रहे हैं। साथ ही एक 10 करोड़ रुपए की लागत से 12 मीटर चौडा एफओबी (पुलिया) का कार्य भी किया जा रहा है। इस दौरान कृष्ण कुमार मीणा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर नें मीडिया को बताया की इन कार्यों में सर्कुलेटिंग क्षेत्र में सड़क वाहनों के यातायात संचालन में सुधार और हरित पट्टी विकसित करना तथा समर्पित पार्किंग स्थान के साथ स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार और प्रकाश व्यवस्था के उन्नयन कार्य,प्रतीक्षा कक्ष, वीआईपी रूम और फूड प्लाजा का प्रावधान शामिल है। आधुनिक फिटिंग के साथ मौजूदा शौचालय ब्लॉकों का नवीनीकरण,प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान और मौजूदा प्लेटफ़ॉर्म शेल्टरों की जीआई शीट को बदलना,मौजूदा स्टेशन भवन का नवीनीकरण,अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार,नए आकर्षक बाउंड्री वॉल आदि का कार्य भी किया जाएगा । साथ ही स्टेशन भवन में पोर्च का निर्माण, स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम,ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, जीपीएस आधारित घड़ियां,5 लिफ्ट व 4 एस्केलेटर लगाने का भी प्रावधान है। इस योजना के प्रथम चरण में रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर बाइक पार्किंग,सर्कुलेटिंग एरिया,कार पार्किंग,पोर्च, मुख्य द्वार 1 और 2 स्टेशन पर सीबीएस,एचटीसी के लिए कमरे,मुख्य नाली,प्लेटफॉर्म न.1 पर कोपिंग स्टोन,ग्रेनाइट स्टोन आदि का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही महिला प्रतीक्षालय,सामान्य प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, बुकिंग हॉल,कॉनकॉर हॉल, वीआईपी कक्ष,एसएस कक्ष,स्टेशन भवन का अग्रभाग, स्टेशन के मुख्य द्वार 1और 2 के क्लैडिंग,पोर्च क्लैडिंग आदि का कार्य प्रगति पर हैं। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी ने मीडिया को दी।

गंगा दशहरे पर खुइलन देवी धाम पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

यदुवंशियों की आराध्य इस देवी मंदिर में जनपद के अलावा गैर जनपदों से आते है श्रद्धालु

♦भारत टाइम्स♦

प्रतापगढ़ । जेठवारा के समीप नेवाड़ी गांव में स्थिति खुइलन तालाब के नाम से चर्चित क्षेत्र में फैला सैकड़ों बीघे जलमग्न क्षेत्र के बीचों बीच स्थिति यदुवंशियों की आराध्य कही जाने वाली मां खुइलन देवी का बना यह भव्य मंदिर आज भी लोगों की आस्था का केंद्र माना जाता है।इस ऐतिहासिक एवं पौराणिक मंदिर पर गंगा दशहरे के दिन जनपद के अलावा जौनपुर ,सुलतानपुर, रायबरेली, प्रयागराज आदि जनपदों से यदुवंशी समाज के भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष मान्यताओं के अनुरूप देवी मंदिर पर दूध के साथ देशी घी में बनी पूड़ी (रोट)चढ़ाते है।मान्यताएं यह भी है की राजा नृप प्रति वर्ष यहां पर लाखों गायों का दान भी किया करते थे। सैकड़ों बीघे में फैले इस तालाब में समय समय पर कमल के फूल के साथ तरह तरह की मछलियों के साथ बाहरी पक्षियों के आवागमन को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो जाती है ।गांव सभा द्वारा लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते सैकड़ों बीघे में फैला यह तालाब एक बूंद पानी के लिए तरस रहा है। जो आज भी अपनी पहचान बरकरार रखा है। अद्वैत दशरथ तिवारी

इदुज़्ज़ुहा का मुबारक महीना हमे इबादत व कुर्बानी व भाईचारगी का पैगाम देता है ईद आज ईदुज़्ज़ुहा की नमाज़ का हुआ मशविरा ईद की नामाज़ आज ईदगाह पर 7 30 पर होगी

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। मेघनगर मस्जि़द में तकरीर में कहा की इदुज़्ज़ुहा का ये मुबारक महीना हमे इबादत व कुर्बानी का पैगाम देता है। प्यारे रसूल (सव) उनके हम गुनहगार है इसलिए हमारे नबी उम्मत के लिए अल्लाह से दुआ करते रहे और हर उम्मीद पूरी कर हमारी मुश्किलों को हल करते रहे है। हाफ़िज़ जनाब मोहसिन सहाब पटेल ने फरमाया की हुजूर कुर्बानी करने के साथ ही नमाज का एहतमाम करते थे। ऐसे ही उम्मत को भी चाहिए की उन्हें भी कुर्बानी व नामाज़ जारी रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा की जो शख्स अपने माल की जकात निकालता है। उसका माल पाक व साफ हो जाता है। साथ ही उसके माल में बरकत होती है। उन्होंने कहा की ऐसे ही कुर्बानी वाजिब है जिसे भी अदा करना चाहिए। उसके माल में भी बरकत होती है ईद का त्योहार साल में एक बार आता है। नूरे मोहम्मदी मस्जि़द के हाफ़िज़ जनाब रिजवान साहब ने कहा की जो शख्स अपने माल की जकात निकालता है। उसका माल पाक व साफ हो जाता है। साथ ही उसके माल में बरकत होती है। इसलिए हर मुसलमान को अपने व अपने रिश्तेदारों के अलावा शहरवासी व मुल्क में अमन शांति आदि के लिए दुआ भी करते रहना चाहिए **मुफ़्तीयाने हज़रात का कोल हलाल तय्यिब माल से पड़ा जाए हज व उमराह:** हज के लिए हलाल माल तलाश करे, जिसमें शुब्हा न हो। हराम माल से ख़्वाह रिश्वत का हो या जुल्म से किसी से हासिल किया हो, ऐसे माल से हज फर्ज़ तो हो जाता है, लेकिन वह हज मक़बूल नहीं होता, जैसा की इसी फस्ल की पहली हदीस में मुफ़स्सर गुज़र चुका। उलेमा ने लिखा है की अगर माल मुश्तब्हा हो तो फिर उलेमा ने उसकी यह सूरत तज्वीज़ की है की कर्ज लेकर हज कर ले और फिर उस माल से कर्ज अदा कर दे। नामाज़ के बारे में उलेमा ने हज पर जाने में रास्ते के बारे में लिखा है की हज की शरियत में से ये भी है कि नमाज़ को अपने औकात में अदा करे अगर रास्ता ऐसा बन जाए की नमाज़ के अदा करने का वक्त नहीं मिल सकता, तो हज की फर्जियत नहीं रहती। इसलिए नामाज़ का एहतमाम करे **मुफ़्ती अशफाक मेघनगर(झाबुआ)एवं जिला उज्जैन:** ईदुज़्ज़ुहा की नमाज का समय मरकज़ पर हुआ तय ईद की नामाज़ ईदगाह में 7 30 बजे होगी मरकज़ के साथ साथ नगर की सभी मस्जिदों में ऐलान किया गया की ईद की नमाज ईदगाह में अदा की जाएगी। इसके लिए सुबह 7 30 बजे का समय तय किया गया है।इधर नूरे मोहम्मदी में ये एलान हुआ की बारीश गिरने की वजहा से नामाज़ मस्जिदों में हुई तो नूरे मोहम्मदी में 7 बजे ईद की नामाज़ अदा की जाएगी। इस के बरअक्स एलान में समय से पहले ही सभी समाजजनों को ईदगाह में पहुंचने की अपील की गई है, ताकि तय समय पर नमाज अदा की जा सके। **ईदगाह पर खुशी खुशी ये सभी हज़रात तकबीराते तशरीक पड़ते हुए गए:** शहर के सभी बच्चे जवान बूढ़े हज़रात ईद की खुशी में आज 17 तारीख को ईद की नामाज़ व कुर्बानी के इंतज़ार में खुशी मनाते हुए देखे जा सकते है ।

आईपीएस अफसर देशमुख ने वर्षो से पड़ा बंद बस स्टैंड के सामने से अतिक्रमण हटवाकर बस स्टैंड को चालू करवाया

♦भारत टाइम्स♦

उज्जैन घोसला/ जगदीश परमार। महिदपुर तहसील कस्बा घोसला अगर उज्जैन मार्ग पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय बस स्टैंड बनाया गया लेकिन अतिक्रमण धारी की मनमानी के कारण कई वर्षो से बंद था जब यहां जानकारी आईपीएस अफसर राहुल देशमुख को मालूम हुई तब तत्काल थाना प्रभारी राघवी वीरेंद्र बंदेवर और अपनी टीम को लेकर पंडित दीनदयाल बस स्टैंड घोसला पहुंचे और अतिक्रमण धारी को तत्काल पुलिस बल के साथ हटवाकर उस बस स्टैंड की साफ सफाई करवाई और चालू करवाया जब रहवासियों ने बस स्टैंड चालू दिखा तब उन्होंने आईपीएस अफसर राहुल देशमुख और उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली कॉप्टर सेवा का शुभारंभ किया

दो प्रारंभ किए गए, उज्जैन से ओंकारेश्वर के लिए प्रारंभ हुई हवाई यात्रा

मोहन यादव ने हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर हवाई यात्रा का शुभारंभ किया।

♦भारत टाइम्स♦

उज्जैन / जगदीश परमार। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन का शुभारंभ किया उल्लेखनीय है कि उज्जैन से ओंकारेश्वर तक हवाई यात्रा का संचालन किया जाएगा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हेलीकॉप्टर को

हरी झंडी दिखाकर हवाई यात्रा का शुभारंभ किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर की पूजा अर्चना की उल्लेखनीय है कि वर्तमान में दो हेलीकॉप्टर उज्जैन से ओंकारेश्वर यात्रा के लिए चलाए जाएंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हेलीकॉप्टर की संख्या और बढ़ाई जाएगी तथा प्रदेश के अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को भी हवाई यात्रा से जोड़ा जाएगा कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक उज्जैन उत्तर श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय ,महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, अन्य गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एसीएस श्री राजेश राजौरा ,श्री संदीप यादव, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

देवास में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर व विशेष पुलिस समर कैंप का संयुक्त समापन कार्यक्रम हुआ आयोजित

♦भारत टाइम्स♦

देवास /जगदीश परमार। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी देवास ने बताया कि संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर व विशेष पुलिस समर कैंप का संयुक्त समापन कार्यक्रम जिला पुलिस लाइन परिसर स्थित परेड मैदान पर आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एच.एन.बाथम ने सभी उपस्थित खिलाड़ियों को शुभकामनाऐ देते हुए कहा कि जिले में खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग किया जायेगा तथा आने वाले वर्ष से समर कैंप का आयोजन और अधिक वृहद स्तर पर करने की बात कही। जिला खेल अधिकारी श्री हेमन्त सुवीर ने बताया इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर सम्मिलित 22 खेल प्रशिक्षण केंद्रो के प्रशिक्षक व खिलड़ियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। इस दौरान श्री रणजीत सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन यशवंत डागोरा ने किया एवं आभार जया सिंह बघेल ने माना।

नशिराबाद का जगा नसीब, पधारे शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

- 14 कि.मी. का प्रलम्ब विहार कर न्यू इंग्लिश स्कूल प्राथमिक विद्या मंदिर में पधारे शांतिदूत
- नशिराबादवासियों ने राष्ट्रसंत का किया भावभीना अभिनंदन
- आत्मकल्याण के लिए करें मानव जीवन का उपयोग : युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

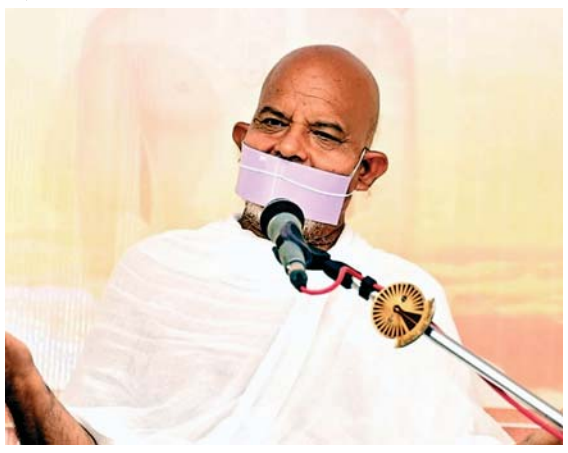

♦भारत टाइम्स♦

नशिराबाद। जलगांव (महाराष्ट्र)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, अहिंसा यात्रा के प्रणेता, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी वर्तमान समय में महाराष्ट्र राज्य के खान्देश की यात्रा कर रहे हैं। लगभग एक वर्ष से भी अधिक समय से महाराष्ट्र की धरा को पावन बनाने वाले मानवता के मसीहा आचार्यश्री महाश्रमणजी रविवार को अपनी धवल सेना के साथ नशिराबाद में पधारे तो मानों नशिराबाद का नसीब ही खुल गया। श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री का भावभीना स्वागत किया। आचार्यश्री नशिराबाद में एकदिवसीय प्रवास के लिए न्यू इंग्लिश स्कूल प्राथमिक विद्या मंदिर में पधारे। रविवार को सूर्योदय के कुछ समय पश्चात सुप्रसिद्ध भुसावल नगरी ने युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने मंगल प्रस्थान किया। भुसावल की जनता ने अपने कृतज्ञ भाव समर्पित किए। सभी को पावन आशीष प्रदान करते हुए आचार्यश्री अगले गंतव्य की ओर बढ़ चले। मार्ग में केले के वृक्षों से भरे हुए खेत इस क्षेत्र को समृद्ध बनाए हुए थे। मार्ग में अनेक लोगों को आशीष प्रदान करते हुए तीव्र धूप में लगभग चौदह किलोमीटर का विहार कर नशिराबाद में पधारे। विद्या मंदिर परिसर में बने वीर सावरकर बहुद्देशीय सभागृह में उपस्थित श्रद्धालु जनता को युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने अपनी अमृतवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि आदमी भी जीवन जीता है तथा दुनिया के सभी प्राणी जीवन जीते हैं। जीवन जीने के कितना प्रयत्न करना होता है। जीवन की आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आदमी को धनार्जन करने की भी आवश्यकता होती है। भोजन के लिए अन्न, कपड़े, मकान, दवा, शिक्षा आदि-आदि कार्य करने ही होते हैं। जीवन है तो मृत्यु भी निश्चित है। मृत्यु कब होनी है, यह किसी को पता नहीं होता। आत्मा और शरीर का अलग हो जाना मृत्यु, आत्मा और शरीर का संयोग जीवन तथा आत्मा का जन्म-मृत्यु के चक्र से सदा के लिए मुक्ति मोक्ष है। आदमी यह सोचे कि यह जीवन अनित्य है, अशाश्वत है तो क्यों इस मानव जीवन का उपयोग अपनी आत्मा के कल्याण में लगाएं। आत्मा के कल्याण के लिए अपने जीवन को धर्म से युक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए। आत्मा के शोधन के लिए संवर और निर्जरा की साधना का अभ्यास हो। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी कोई भी व्यापार-धंधा करे, उसमें आदमी को ईमानदारी रखने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में जितना संभव हो सके, हिंसा से बचने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में शांति रहे, इसके लिए विवेकपूर्व व्यवहार हो। क्रोध से बचने का प्रयास हो। जीवन में नशामुक्तता रहे। इस प्रकार आदमी अपनी आत्मा के कल्याण का प्रयास कर सकता है। मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री ने नशिराबाद के इस विद्यालय को आशीष प्रदान करते हुए कहा कि यहां पढ़ने वाले बच्चों में ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कारों के विकास का भी प्रयास हो तो उनके जीवन का भी कल्याण हो सकता है। आचार्यश्री के पावन पाथेय के उपरान्त साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी ने भी जनता को उद्बोधित किया। आचार्यश्री के स्वागत में ब्रह्मकुमारी मंगला दीदी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। न्यू इंग्लिश स्कूल के शिक्षक श्री राजू पांचपाण्डेसर ने आचार्यश्री के स्वागत में अपनी भावना व्यक्त की। बालिका प्रेक्षा-प्रांजल कुचेरिया, अवनि कुचेरिया, जिनल कुमठ, किरण कुचेरिया ने अपनी आस्थासिक्त अभिव्यक्ति दी। श्रीसंघ की ओर से श्री नितीन चोपड़ा ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। स्थनीय तेरापंथ महिला मण्डल ने स्वागत गीत का संगान किया। कार्यक्रम के अंत में रावेर से भाजपा की सांसद व वर्तमान भारत सरकार में राज्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाली श्रीमती रक्षा खडसे आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में उपस्थित हुईं। उन्होंने आचार्यश्री के दर्शन कर पावन आशीष प्राप्त किया।

आजमगढ़ में फॉरेंसिक लैब व हाथरस में नए जिला कारागार के निर्माण कार्यों में तेजी लाएगी योगी सरकार

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर उसे उत्तम प्रदेश बनाने के सपने को हकीकत की शक्ल दे रही योगी सरकार प्रदेश के समेकित विकास के लिए लगातार कार्यरत है। एक ओर, प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए महत्वकांक्षी लक्ष्य की ओर उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी के मार्गदर्शन में कदम बढ़ा दिए हैं, वहीं प्रदेश में उत्तम नागरिक सुविधाएं व वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की दिशा में भी विस्तृत कार्ययोजना के अंतर्गत कार्य हो रहा है। वहीं, प्रदेश को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में प्रयासरत तथा प्रदेश में क्राइम कल्चर पर नकेल कसने में कामयाब हुई योगी सरकार ने अब आजमगढ़ में फॉरेंसिक लैब तथा हाथरस में नए जिला कारागार के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई है। योगी सरकार द्वारा योजना विभाग की टेक्निकल सेल को इस कार्य को पूरा कराने का जिम्मा सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि आजमगढ़ में 39 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत से फॉरेंसिक लैब तथा हाथरस में 146 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत से नए जिला कारागार का निर्माण होना है, ऐसे में इन सभी कार्यों को तय समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए इस पर योगी सरकार का विशेष फोकस है। योजना विभाग की टेक्निकल सेल को सौंपा गया है जिम्मा- योजना विभाग की टेक्निकल सेल द्वारा इन कार्यों को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सलटेंट (पीएमसी) एजेंसी के निर्धारण के प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत होने वाले सभी निर्माण कार्य इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) माध्यम से पूर्ण किए जा रहे हैं। ऐसे में, पीएमसी एजेंसी के निर्धारण के जरिए परियोजना के अंतर्गत होने वाले सभी निर्माण की गुणवत्ता व प्रगति को सुनिश्चित करने और निर्धारित समयावधि में पूरा करने में मदद मिलेगी। इस प्रक्रिया की पूर्ति के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरपीएफ) माध्यम के जरिए आवेदन मांगे गए हैं। 18 महीने में निर्माण कार्यों को करना होगा पूर्ण- दोनों ही परियोजनाओं की पूर्ति के लिए नियुक्त होने वाली पीएमसी एजेंसी को कई महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करना होगा। एक ओर, जहां आजमगढ़ में निमार्णाधीन फॉरेंसिक लैब के निर्माण संबंधी आर्किटेक्चरल डिजाइन को कार्यावंटन के उपरांत पीएमसी एजेंसी को 75 दिनों में पूरा करना होगा। आर्किटेक्चरल डिजाइन के पूरा हो जाने के बाद सभी निर्माण कार्यों को 18 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। पूरी कार्यावधि के दौरान 36 महीने का डिफेक्ट लाइबेलिटी पीरियड निर्धारित किया गया। इसी प्रकार, हाथरस में निमार्णाधीन नवीन जिला कारागार के लिए कार्यावंटन प्राप्त करने वाली पीएमसी एजेंसी को ये सुनिश्चित करना होगा कि 18 महीनों में सभी निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्ता अनुरूप पूरा कर लिया जाए।

कई प्रकार के निर्माण कार्यों को करना होगा पूर्ण

पीएमसी एजेंसी को दोनों ही परियोजना के अंतर्गत होने वाले सभी निर्माण कार्यों की रिपोर्टिंग व मॉनिटरिंग प्रक्रिया को पूरा करना होगा। उसे ये सुनिश्चित करना होगा कि दोनों ही परियोजनाओं में इस दौरान रचनात्मक इनडोर स्पेसेस के निर्माण, उचित स्थान नियोजन के साथ ही यहां की जरूरतों के अनुसार विभिन्न कार्यात्मक आवश्यकताओं को पूर्ण किया जाए। कम रखरखाव के साथ ही उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए विद्युत, यांत्रिक और अन्य सेवाओं के एकीकृत डिजाइन पर काम करना होगा।

शिव मंदिर के घाट पर सफाई अभियान का शुभारंभ कलेक्टर द्वारा किया गया

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी। झाबुआ। झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत देवझिरी स्थित प्राचीन शिव मंदिर के घाट की सफाई का शुभारंभ कर भूमिपूजन किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेंद्र सिंह चौहान,

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ हरिशंकर विश्वकर्मा, सहीत अन्य अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

लू लगने से ट्रक ड्राइवर की मौत

रामनगर। स्थानीय थाने की भीटी पुलिस चौकी अंतर्गत लंका मैदान में रविवार को सांयकाल 7:00 बजे एक ट्रक ड्राइवर की लू लगने से मौत हो गयी। ट्रक ड्राइवर अवनीश सिंह पुत्र मनवीर सिंह निवासी नागल्पर्म थाना बेवर जिला मैनपुरी तथा ट्रक नंबर ठछड1ठ4025 का लंका मैदान पर एक ट्रक ड्राइवर ट्रक के अंदर हिट वेव के कारण अचेत अवस्था मे पड़ा रहा।

अपील – कुबार्नी के साथ – साथ गरीबों और जरुरतमंदों की मदद करें : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

♦भारत टाइम्स♦

आगरा। ईद-उल-अजहा यानि बकरीद का त्योहार कल जिले भर में 17 जून को मनाया जाएगा। यह त्यौहार तीन दिन मनाया जाता और तीनों दिन कुबार्नी का सिलसिला चलता है। इस अवसर पर सभी को ईद-उल-अजहा की तहेदिल से बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने कहा कि इस्लाम कुबार्नी के साथ गरीबों और जरुरतमंदों की मदद करने का हुक्म देता है। कुबार्नी के साथ - साथ गरीबों और जरुरतमंदों की मदद करें। बहुत मेहंगा बकरा खरीदने की वजह कम कीमत का बकरा खरीद कर कुबार्नी दी जा सकती है। बाकी बची रकम से गरीबों व जरूरतमंदों की मदद की जाए। इस्लाम कुबार्नी के साथ-साथ गरीबों, जरुरतमंदों की मदद करने का हुक्म देता है। मुस्लिम समाज में साल में दो ही त्यौहार मजहबी तौर पर मनाये जाते हैं। पहला ईद-उल-फितर और दूसरी इद-उल-अजहा यानि बकरीद। कुबार्नी का लफ्ज कुर्ब से बना है। इसका मतलब होता है करीब होना। यानि अल्लाह तआला से अपनी नजदीकियां बढ़ाना होता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के इस त्योहार को ईद-उल-अजहा भी कहा जाता है। बकरीद पर जानवर की कुबार्नी दी जाती है। इस्लाम में बुनियादी तौर पर हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के जमाने से है। इस्लाम में कुबार्नी एक इबादत की हैसियत रखती है। इबादते जितनी भी हैं वह सब बंदे का आला तआला से ताहलुक का इजहार होता है। जैसे बंदे की बंदगी नमाज है और माल से इबादत करने का इजहार जकात और सदका है ठीक इसी तरह कुबार्नी भी है। ज्यादातर लोग ईद उल-अजहा यानि कल के दिन की कुबार्नी कराएंगे। वहीं कुछ लोग आगे बचे दो दिनों में करा देते हैं। इस दिन साहिब -ए-निसाब (आर्थिक रूप से सक्षम) मुसलमान हजरत इब्राहिम और उनके बेटे हजरत इस्माइल की सुन्नत पर अमल करते हुए बकरा, भेड़, दुबा, ऊंट आदि की कुबार्नी कराते हैं। शहर में आम तौर पर बकरों की कुबार्नी का चलन है। श्री खान ने मुस्लिम भाइयों से खुले स्थान पर कुर्वांनी न करने की अपील की हैं। साथ ही कुबार्नी के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल ना करने की भी नसीहत दी गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी काम न करें जिससे दूसरे मजहब के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचे। उन्होंने आगे कहा कि ईद उल अजहा का त्यौहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति पूर्वक एवं भाईचारे से मनाएं और आपसी भाईचारा कायम रखें। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि बकरीद पर कुबार्नी के बाद अवशेषों को गड्ढे में दबाएं, सफाई का ध्यान रखें। किसी झूठी अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का हर संभव सहयोग करें। त्यौहार को शान्ति से मनाने के साथ कुबार्नी से किसी को परेशानी न होने देने, साथ ही कुबार्नी के अवशेष जमीन में दबाने की अपील की। उन्होंने कहा की ईदुल अजहा पर कोई नई परम्परा शुरू नही होने दी जाएगी साथ ही जाने अनजाने में कोई गलती हो जाती है तो उसे अन्यथा में ना लें। ईद की नवाज ईदगाह के आहाते में ही अदा करे सड़को पर नवाज ना पढ़े। सभी को ईद-उल-अजहा की तहेदिल से बधाई एवं शुभकामनाएं।

मेघवाल समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में पाँच जोड़ों का विवाह सम्पन्न

♦भारत टाइम्स♦

अलवर राजेश गुप्ता। राजस्थान मेघवाल समाज, जिला अलवर के द्वारा मेघवाल समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन श्री पल्लीवाल जैन महासभा भवन, हसन खां मेवात नगर अलवर में किया गया। इस सम्मेलन में राजन कुमार संग अंजलि, हीरालाल संग सुनीता, हंसराज संग अन्नू, झम्मन सिंह संग सरिता व सूरजपाल संग वर्षा सहित पाँच जोड़ों का विवाह सम्पन्न करवाया गया। बारात प्लाट न० अ-202 बुद्ध विहार, अलवर से प्रातः 10 बजे प्रस्थान कर प्रातः 11.00 बजे विवाह स्थल पर पहुंची। जहां पर वरमाला कार्यक्रम के बाद सभी जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न कराया गया। संस्था द्वारा सभी जोड़ों को आवश्यक घरेलू सामान यथा पलँग,अलमारी, फर्नीचर, पांच आभूषण, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित प्रत्येक वर को पाँच व प्रत्येक वधु को 34 जोडी वस्त्र भी प्रदान किए गए।

मेरे पिता मेरे मार्गदर्शक और राजनीतिक गुरु रहे हैं टीकाराम जूली बहरोड़ अलवर राजेश गुप्ता

♦भारत टाइम्स♦

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने स्वर्गीय पिताजी स्वर्गीय लेखराम ठेकेदार जी की 15 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए हृदय से श्रद्धापूर्वक नमन किया। समाजसेवी, भामाशाह, उद्योगपति एवं जनप्रतिनिधि के रूप में बहरोड जिले के अंतिम छोर पर बसे उनके पैतृक गांव काठुवास में औद्योगिक इकाई लेखराम इंटरनेशनल फैक्ट्री परिसर में बनाए गए उनके स्मृति स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मेघवाल विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय लेखराम ठेकेदार जी को याद करते हुए उपस्थित जनसमूह की आंखें नम हो गई, सभी ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को सामूहिक रूप से याद किया। जूली ने अपने स्वर्गीय पिताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मेरे मार्गदर्शक और राजनीतिक गुरु मेरे पिता का जनकल्याण प्रमुख लक्ष्य रहा।वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए जीवन भर आमजन के प्रति समर्पित रहे। उनके विचार और आदर्श मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि उनके चेहरे की सहज मुस्कान सभी को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती थी। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी होने के साथ सहज व्यक्तित्व के धनी स्वर्गीय लेखराम ठेकेदार जी मानव जगत की वह नर्सरी थे जहां कितने लोगों ने अपने परिवारो को सुरक्षित किया। उन्होंने कहा कि आज मैं जन सेवा का जो कार्य कर रहा हूं उनके जीवन से मुझे इसकी मूल प्रेरणा मिली है। उनका संघर्षमय और सेवाभावी जीवन मेरे परिवार एवं उनके शुभचिंतकों के लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

ओड समाज द्वारा धूमधाम से मनाई गई भागीरथ जयंती, केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव रहे मुख्य अतिथि

♦भारत टाइम्स♦

गोविन्दगढ़। गोविंदगढ़ कस्बे में रविवार को ओड समाज के द्वारा भागीरथ जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय वन एवम पर्यावरण मंत्री और अलवर से सांसद भूपेंद्र यादव रहे। इस दौरान ओड समाज के द्वारा कस्बे में भव्य शोभायात्रा भी निकल गई जिसमें भागीरथ भगवान, श्री राधा कृष्ण भगवान ,शिव शंकर की झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। शोभा यात्रा भागीरथ धर्मशाला से शुरू होकर कस्बे के मुख्य बाजारों से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंची जहां पर कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई।ओड समाज के द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपेंद्र यादव का सर्वप्रथम भाजपा नेता सुखवंत सिंह के आवास पर भाजपा कार्यकताओं की ओर से भव्य स्वागत किया गया। मंत्री बनने के बाद पहली बार गोविन्द गढ़ में पधारने पर भाजपा नेता सुखवंत सिंह की ओर से मंत्री महोदय को चांदी का मुकुट पहनाया गया। कार्यक्रम में वन पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को ओढ़ समाज के अध्यक्ष इन्द्र जीत सिंह ने साफा पहनाकर स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि ओड समाज के विकास में जो भी कदम उठाए जाएंगे हम समाज का विकास करेंगे। साथ में समाज की धर्मशाला के निर्माण के लिए जो भी पैसे खर्च होंगे उन्हें सांसद कोटे से देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समाज में जो भी कुरीतियों हैं उनको दूर करें। क्षेत्र के जितने भी गांव हैं उनमें जल जीवन मिशन के तहत पानी पहुंचाने का कार्य करेंगे तथा बच्चों के लिए प्रत्येक गांव में ई लाइब्रेरी तथा खेल मैदान बनाने का काम भी हम करेंगे जिसमें क्षेत्र के सरपंच हमारा सहयोग करें।

विकास व जनकल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें एमपी-एमएलए : सीएम योगी

♦भारत टाइम्स♦

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद, विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया है कि वे विकास और जन कल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें। सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में पात्रों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को तत्पर रहें, विकास कार्यों के नए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। सुरक्षित माहौल में विकास और जनकल्याण सरकार की प्रतिबद्धता है। सीएम योगी रविवार को एनेक्सी भवन में गोरखपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। अनौपचारिक अंदाज में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी और लोकसभा चुनाव में पूरे मनोयोग से परिश्रम करने वाले विधायकगण को साधुवाद दिया। उन्होंने संवाद के लिए आहुत इस बैठक में उपस्थित सभी विधायकों से उनके क्षेत्र में जारी विकास कार्यों, जनकल्याण के कार्यक्रमों की उपलब्धियों की जानकारी ली। कहा कि विकास सतत चलने वाली प्रक्रिया है। क्षेत्र में विकास की जितनी भी गुंजाइश है, सभी जनप्रतिनिधि उस पर प्रस्ताव तैयार कराएं। साथ ही ऐसे पात्र लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से जोड़ें जिन्हें किन्हीं कारणवश किसी योजना का लाभ न मिल पाया हो। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह जनता की समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं सुनें तथा उसके अनुरूप विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाए। आमजन की संतुष्टि ही किसी जनप्रतिनिधि के काम का मानक है, इसलिए आम आदमी का विश्वास जीतें और इस विश्वास की डोर को और मजबूत करते रहें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी के विधानसभावार प्रदर्शन पर भी चर्चा की और सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभी से आगामी लक्ष्य के संधान में जुट जाएं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, सांसद रविकिशन, विजय दूबे, शशांक मणि, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायकगण फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, जयप्रकाश निषाद, शलभ मणि त्रिपाठी, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, प्रेम सागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी समेत कई विधायक, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

आर्थिक मदद

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 350 लोगों की समस्याएं

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : मुख्यमंत्री

♦भारत टाइम्स♦

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के चलते मार्च माह से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनोपयोगी जनता दर्शन कार्यक्रम एक बार फिर प्रारंभ हो गया है। इसकी शुरूआत गत दिनों लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास से हुई। शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों की थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।